सोमवार 18 अगस्त 2025
सूर्योदय प्रातः 05:52 बजे
सूर्यास्त सांय 16:58 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 क्या आरएसएस के मुखिया मन की बात कहते हैं?

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्षः 16 | अंक : 303 | गाजियाबाद, सोमवार 18 अगस्त 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

केनरा बैंक Canara Bank
SCAN & PAY
UPI ID: 300012627000246@cnrb
BHIM UPI
Canara ai1 · CBDC · Paytm · Cred · PhonePe · Google Pay
DIGITAL RUPEE ACCEPTED HERE

NCR MASALA
India's Premium Masala
9410855900
ncrmasala@gmail.com
get online www.ncrmasala.com
गर्म मसाला, हल्दी, मिर्च, धनिया, जीरा व अन्य रसोई मसाले

बिहार में 'वोट अधिकार यात्रा' का हो गया आगाज

● लालू यादव बोले-बीजेपी और एनडीए को उखाड़ फेंको ● राहुल गांधी ने कहा-ये संविधान को बचाने की लड़ाई है

तेजस्वी ने चुनाव आयोग को केन्द्र की कठपुतली बताया

पटना (एजेंसी)। बिहार में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर, सामान्य शब्दों में वोटर लिस्ट रिवीजन) के खिलाफ राहुल गांधी की वोट अधिकार यात्रा सासाराम से शुरू हुई। यहां के सुआरा हवाई अड्डा ग्राउंड में हुई जनसभा में राहुल बोले,ये संविधान को बचाने की लड़ाई है। पूरे देश में बीजेपी-आरएसएस संविधान को मिटाने पर तुले हैं। जहां भी चुनाव होता है, ये जीतते हैं। महाराष्ट्र में ओपिनियन पोल कह रहे थे, महागठबंधन चुनाव जीतेगा। लोकसभा में महागठबंधन जीतता है, लेकिन 4 महीने में उसी क्षेत्र में हम हारते हैं। हमने पता लगवाया तो पता चला 1 करोड़ नए वोटर जादू से पैदा हो गए। बिहार की जनता वोटों की चोरी नहीं करने देगी। क्योंकि गरीब-कमजोर लोगों के पास सिर्फ वोट का हक है। आयोग जो कर रहा है, वो सबको पता है। इलेक्शन कमीशन को हम ये नहीं करने देंगे। नरेंद्र मोदी जी और एनडीए अरबपतियों के साथ सरकार चलाती

है। आप का पूरा धन 5-6 अरबपतियों को दिया जाता है। कई दिनों बाद किसी जनसभा में शामिल हुए राजद सुप्रीमो लालू यादव ने कहा- चोरों को हटाइए, बीजेपी को भगाइए, हमारी पार्टी को जिताइए। किसी भी कीमत पर भाजपा को सत्ता में आने नहीं देना है। राहुल गांधी, तेजस्वी यादव सभी मिलकर बीजेपी को उखाड़कर फेंकिए। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, बिहार लोकशाही की जन्मभूमि है। राहुल गांधी की मतदाता अधिकार यात्रा सासाराम से शुरू हो रही है। यह यात्रा 16 दिनों में 20 जिलों से होकर 1300 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। इसका समापन 1 सितंबर को ऐतिहासिक गांधी मैदान में होगा। तेजस्वी यादव और तमाम नेता इसमें हिस्सा लेंगे।

लागल-लागल झुलनिया में धक्का, बलम कलकत्ता चलल

सासाराम की सभा में लालू यादव ने मंच से बैठ कर ही बोलना शुरू किया। उन्होंने केंद्र और बिहार सरकार पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि चोरों को हटाइए और बीजेपी को भगाइए। हम लोगों की राष्ट्रीय एकता पार्टी है, जो हमलोगों का उसको जिताइए। किसी भी कीमत पर वोट चोरी करने वाली भाजपा को आने नहीं देना है। सब लोग अभी से एक हो जाइए। एक होकर के राहुल गांधी, तेजस्वी यादव सभी मिल के एकजुट होकर, खरगे जी सबलोग मिलकर, इसको उखाड़ कर फेंकिए। लोकतंत्र को और मजबूत होने दीजिए। फिर होने अपना फेमस डायलॉग सुनाया... लागल-लागल झुलनिया में धक्का, बलम कलकत्ता चलल।

किश्तवाड़ के बाद अब कठुआ में फटे बादल

● अब तक 7 लोगों की हो गई मौत, कई हैं घायल

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में रविवार सुबह बादल फटा है। जम्मू-कश्मीर में बादल फटने की ये बीते 3 दिन में दूसरी घटना है। रविवार को कठुआ जिले में बॉर्डर से सटे इलाके में 3 जगह बादल फटा। जोद घाटी इलाके में 7 लोगों की मौत हो गई और कई घायल हैं। जोद के अलावा मथरे चक, बगार्ड-चंगड़ा और दिलवान-हुटली में भी लैंडस्लाइड हुई। 14 अगस्त को भी जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ के चसोटी में भी ऐसी ही घटना हुई थी। लैंडस्लाइड के बाद जोद गांव का शहर से संपर्क टूटा गया था, काफी मशक्कत के बाद रेस्क्यू टीम गांव पहुंची। घरों में कई फीट तक पानी-मलबा भरा है। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। लैंडस्लाइड में 2 से 3 मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं।

डीजीपी की नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई आज

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷। सुप्रीम कोर्ट सोमवार को झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता की नियुक्ति को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई करेगा। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई, न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ गुप्ता की नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। इन याचिकाओं में झारखंड विधानसभा में विपक्ष के नेता बाबूलाल मरांडी की याचिका भी शामिल है। पिछले महीने 24 जुलाई को शीर्ष अदालत एक सामाजिक कार्यकर्ता की याचिका पर सुनवाई के लिए सहमत हो गई थी। गुप्ता केंद्र सरकार के नियमों के तहत 60 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर 30 अप्रैल को सेवानिवृत्त होने वाले थे।

बंगाल - देश के अन्य राज्यों में SIR पर जल्द लेंगे निर्णय : ज्ञानेश कुमार

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷। भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने पश्चिम बंगाल और देश के अन्य राज्यों में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की घोषणा पर बयान दिया। उन्होंने कहा कि तीनों चुनाव आयुक्त मिलकर सही समय पर इस संबंध में निर्णय लेंगे। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा, "जहां तक पश्चिम बंगाल के एसआईआर की तारीख का सवाल है, तो हम तीनों कमिश्नर सही समय देखकर निर्णय लेंगे।

दिल्ली विकास का एक शानदार उदाहरण : पीएम

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को राजधानी दिल्ली को दो बड़े बुनियादी ढांचा प्रोजेक्ट्स की सौगात दी। उन्होंने 11,000 करोड़ रुपये की लागत से तैयार शहरी विस्तार सड़क-2 (यूईआर-2) और द्वारका एक्सप्रेसवे के दिल्ली खंड का उद्घाटन किया।

इन परियोजनाओं से दिल्ली-एनसीआर में जाम की पुरानी समस्या से बड़ी राहत मिलने और कनेक्टिविटी बेहतर होने की उम्मीद है। रोहिणी में आयोजित उद्घाटन समारोह में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "दिल्ली आज देश के विकास की एक चमकती मिसाल बन चुकी है। बीते 10 सालों में यहां का इन्फ्रास्ट्रक्चर विश्वस्तरीय हुआ है और लोगों को आवागमन में बहुत लाभ मिला है। प्रयास जारी हैं और आने वाले समय में और भी बड़े प्रोजेक्ट सामने आएंगे।" प्रधानमंत्री ने बताया कि इन परियोजनाओं से न केवल यात्रा सुगम होगी, बल्कि दिल्ली के कचरे के पहाड़ भी कम करने में मदद मिली है। उन्होंने एक्सप्रेसवे बनाने वाले श्रमिकों से बातचीत कर उनके कठिन परिश्रम की सराहना की। यूईआर-2 का 54.21 किमी लंबा हिस्सा अलीपुर से दीछांव कलां तक बनाया गया है, जिसकी लागत 5,580 करोड़ रुपये है। यह छह लेन का हाईवे दिल्ली मास्टर प्लान रोड 2021 के तहत तीसरे रिंग रोड के रूप में तैयार किया गया है।

झूठे आरोपों से डरता नहीं है चुनाव आयोग

● ईसीआई बोला-हम अपने कर्तव्य से पीछे नहीं हटेंगे ● कहा-न पक्ष-न विपक्ष, हमारे लिए तो सब समकक्ष

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में वोटर लिस्ट का स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन शुरू होने के बाद से लगातार कांग्रेस नेता राहुल गांधी और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव समेत तमाम विपक्षी दल चुनाव आयोग पर हमलावर हैं। वोट चोरी और वोटर लिस्ट में गड़बड़ी जैसे आरोपों का सामना कर रहे चुनाव आयोग ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सभी आरोपों का सिलसिलेवार जवाब दिया। इस साल 18 फरवरी को चुनाव आयुक्त से मुख्य चुनाव आयुक्त का पदभार संभालने के बाद सीईसी ज्ञानेश कुमार की यह पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस है। जिसमें उन्होंने आयोग के ऊपर लगातार किए जा रहे हमलों का करारा जवाब दिया और बताया कि बिहार मे क्यों एसआईआर हो रहा है। विपक्ष द्वारा लगातार चुनाव आयोग पर लगाए जा रहे आरोपों पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा,मैं स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि चुनाव आयोग के लिए न कोई पक्ष है, न कोई विपक्ष आयोग के लिए सब समकक्ष है। चाहे कोई भी दल हो चुनाव आयोग अपने संवैधानिक कर्तव्य से पीछे नहीं हटेगा।

बिहार में क्यों हो रहा एसआईआर, यह भी बताया

बिहार में मतदाता पुनरीक्षण को लेकर लगातार उठाए जा रहे सवाल पर मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा, पिछले दो दशकों से लगभग सभी राजनीतिक दल मतदाता सूची में सुधार की मांग करते रहे हैं। इसी मांग को पूरा करने के लिए चुनाव आयोग ने गहन पुनरीक्षण की शुरुआत बिहार से की है। एसआई की प्रक्रिया में सभी मतदाता, बूथ लेवल ऑफीसर और सभी राजनीतिक दलों द्वारा नामित 1.6 लाख बीएलओ ने मिलकर एक प्रारूप सूची तैयार की है। इस कॉपी सभी को दी गई है। इस सूची को सभी राजनीतिक दलों ने हस्ताक्षर के साथ सत्यापित किया।

विपक्ष कर रहा मतदाताओं के बीच भ्रम फैलाने का काम

विपक्ष द्वारा चुनाव आयोग पर बिहार में वोट काटने के आरोपों पर चुनाव आयोग ने पलटवार करते हुए कहा, जमीनी स्तर पर सभी मतदाता, सभी बूथ लेवल ऑफीसर और राजनीतिक दल एक पारदर्शी तरीके से काम कर रहे हैं। मतदाता सूची को वो सभी सत्यापित कर रहे हैं, हस्ताक्षर कर रहे हैं। मुख्य चुनाव आयोग ने कहा, यह गंभीर चिंता का विषय है कि राजनीतिक दलों के जिलाध्यक्षों और उनके द्वारा नामित बीएलओ के दस्तावेज, उनकी आवास उनके स्वयं के नेताओं तक पहुंच नहीं पा रही है या फिर जमीनी सच्चाई को नजरअंदाज करके भ्रम फैलाने का काम किया जा रहा है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा, एक बार जब ईसीआई द्वारा अंतिम सूची प्रकाशित हो जाती है, तो मसौदा सूची राजनीतिक दलों के साथ भी साझा की जाती है।

बहुत जल्द बदलने वाला है 'पीएमओ' का पता !

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री कार्यालय यानी (पीएमओ) का पता बदलने वाला है। वर्तमान में पीएमओ साउथ ब्लॉक में स्थित है जो अगले महीने एग्जिक्यूटिव

एन्कलेव में शिफ्ट हो जाएगा। सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट के तहत तैयार किए गए इस नए एन्क्लेव में प्रधानमंत्री कार्यालय के अलावा कैबिनेट सचिवालय, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय और एडवांस कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा भी होगी। गौरतलब है कि नया पीएमओ प्रधानमंत्री के आवास से ज्यादा नजदीक है। साउथ ब्लॉक स्थित पीएमओ में आधुनिक सुविधाओं की कमी है। वहीं, जगह की भी कमी महसूस की जा रही है। जानकारी के मुताबिक, नए पीएमओ का नामकरण भी कुछ नया किया जा सकता है। प्रधानमंत्री ने अपने तीसरे कार्यकाल से पहले संबोधन में कहा था कि पीएमओ जनता का होना चाहिए। यह मोदी का

78 साल बाद नए जगह पर शिफ्ट होने वाला है प्रधानमंत्री कार्यालय

पीएमओ नहीं है। हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी ने गृह मंत्रालय और कार्मिक मंत्रालय के नए कार्यालय 'कर्तव्य भवन-3' का उद्घाटन करते हुए कहा कि प्रशासनिक मशीनरी अभी भी ब्रिटिश कालीन इमारतों से काम कर रही है, जहां रोशनी और वेंटिलेशन की कमी है सूत्रों के मुताबिक, नए पीएमओ को नया नाम भी दिया जा सकता है, जो 'सेवा' की भावना को दर्शाए। प्रधानमंत्री ने कहा था,पीएमओ जनता का होना चाहिए।

भारत में हैं,तो 'मेड इन इंडिया' सामान ही खरीदें

● स्वदेशी का जिक्र कर पीएम मोदी का ट्रंप को बड़ा संदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को दिल्ली-एनसीआर में दो प्रमुख राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन किया। परियोजना का उद्घाटन के बाद उन्होंने लोगों को संबोधित किया। संबोधन के दौरान उन्होंने वोकल फॉर लोकल के मंत्र पर जोर दिया। पीएम मोदी ने कहा कि देश के लोगों ने वोकल फॉर लोकल के मंत्र के साथ खादी को अपनाया। हमारा मेड इन इंडिया यूपीआई दुनिया का सबसे बड़ा रियल-डिजिटल पेमेंट प्लेटफॉर्म बन गया है। पीएम मोदी ने इशारों इशारों में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को संदेश भी दे दिया। पीएम मोदी ने कहा कि आप भारत में रहकर भारत का ही प्रोडक्ट खरीदें। स्वदेशी चीजें को ज्यादा से ज्यादा बढ़ावा देंगे। पीएम मोदी ने आगे कहा कि आप लोग वोकल फॉर लोकल के मंत्री पर मेरा साथ दीजिए। पीएम मोदी ने आगे कहा कि 11 साल पहले हम अपनी जरूरत के ज्यादातर फोन इंपोर्ट करते थे। पीएम मोदी ने कहा कि आज के समय ज्यादातर भारतीय मेड इन इंडिया फोन यूज कर रहे हैं। हम लोग 35 करोड़ मोबाइल फोन बना रहे हैं और उन्हें एक्सपोर्ट भी कर रहे हैं। ट्रंप के अलावा पीएम मोदी ने विपक्षी दलों को भी आड़े हाथों लिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह पहली बार है कि दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में बीजेपी की सरकारें एक साथ सत्ता में हैं।

विकास क्रांति की गवाह बन रही है दिल्ली

प्रधानमंत्री ने कहा कि अगस्त का यह महीना आजादी और क्रांति के रंग में रंगा हुआ है। आजादी के इस त्योहार के बीच आज देश की राजधानी दिल्ली विकास क्रांति की गवाह बन रही है। उन्होंने आगे कहा कि दुनिया, भारत को देखती है परखती है, तो उसकी पहली नजर हमारी राजधानी दिल्ली पर पड़ती है। इसलिए हमें दिल्ली को विकास का ऐसा मॉडल बनाना होगा, जहां हर कोई महसूस करे कि हां, यह एक विकसित देश की राजधानी है। बता दें कि जिन दो प्रमुख राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन हुआ है वो द्वारका एक्सप्रेसवे का दिल्ली खंड और अर्बन एक्सटेंशन रोड-2 है। इन परियोजनाओं का उद्देश्य दिल्ली में भीड़ कम करना, कनेक्टिविटी में सुधार करना, यात्रा के समय को कम करना है।

सीपी राधाकृष्णन होंगे एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार

जेपी नड्डा ने किया ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। रविवार को भाजपा कार्यालय में संसदीय बोर्ड की बैठक हुई। प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा बैठक में शामिल थे। भाजपा संसदीय बोर्ड की बैठक में सर्वसम्मति से महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन एनडीए की तरफ से उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा की बैठक में इस पर सहमति बनी। नड्डा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसका ऐलान किया। राधाकृष्णन 21 अगस्त को नामांकन दाखिल करेगा। इस दौरान एनडीए शासित राज्यों के सभी मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री भी शामिल होंगे। उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए 9 सितंबर को वोटिंग होगी। उसी दिन काउंटिंग भी होगी। नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 21 अगस्त है। 25 अगस्त तक उम्मीदवारी वापस ली जा सकती है। दरअसल, जगदीप धनखड़ ने 21 जुलाई की रात अचानक उपराष्ट्रपति के पद से इस्तीफा दे दिया था। 74 साल के धनखड़ का कार्यकाल 10 अगस्त 2027 तक था।

कांग्रेस नेता की कार में तोड़फोड़ सरेराह जान से मारने की धमकी

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷ । शनिवार को दिल्ली सीमा के नजदीक कुछ युवकों ने कांग्रेस के नेता को रोककर उनकी कार में तोड़फोड़ करते हुए जान से मारने की धमकी दी। कांग्रेस नेता आ अरोप है कि शिकायत के बाद पुलिस ने अरोपियों के खिलाफ कोई कार्यवाही नही की। दया शंकर ने पुलिस को दी शिकायत ने बताया कि वह लेबर के पास से गुजर रहे थे कि इसी दौरान कुछ युवकों ने उनकी कार में तोड़फोड़ कर दी। जब उन्होंने कार को रोककर उनका विरोध किया तो आरोपियों ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी। घटना को लेकर पीड़ित ने पुलिस कंट्रोल रूप को सूचना दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची लेकिन बिना कार्यवाही किए वापस लौट गए।

जगत फार्म मार्केट में सीवर ओवरफ्लो से फैली गंदगी

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷ । शहर की प्रमुख मार्केट जगत फार्म के व्यापारी कई दिनों से सीवर ओवरफ्लो होने से परेशान हैं। उनका कहना है कि सीवर का पानी भरा होने के कारण ग्राहक दुकानों तक नहीं पहुंच रहे हैं। इससे परेशान होकर व्यापारियों ने शनिवार को प्राधिकरण के खिलाफ नारेबाजी कर तत्काल समस्या का समाधान करने की मांग की है। व्यापारियों ने बताया कि जगत फार्म शहर की प्रमुख मार्केट है। यहां रोजाना हजारों लोग खरीदारी करने आते हैं, लेकिन पिछले कई दिनों से बाजार में गंदगी पसरी हुई है। उनका आरोप है कि सीवर की सफाई नहीं की गई जिस कारण सीवर ओवरफ्लो हो गया है। सीवर का पानी सड़क किनारे दुकानों के आगे भर गया है। बार-बार शिकायत के बाद भी प्राधिकरण समस्या का समाधान नहीं करा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही समस्या का समाधान नहीं हुआ तो प्रदर्शन किया जाएगा।

लाल साड़ी में दिखाया गुस्सा, मांगा बिजली कनेक्शन

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷ । कुलेसरा, लखनावली और सुथ्याना गांव के डूब क्षेत्र के निवासियों ने रविवार को बिजली कनेक्शन और आपूर्ति की समस्याओं के समाधान न होने पर रैली निकाली। महिलाओं ने लाल साड़ी पहनकर इसमें हिस्सा लिया। उनका कहना है कि संघर्ष के प्रतीत के रूप में लाल साड़ी पहनी। आरोप है कि प्राधिकरण और प्रशासन ने कॉलोनी काटने वालों को नहीं रोका। अब उनका कनेक्शन देने पर रोक लगा रहा है। हिंडन नदी के डूब क्षेत्र में लाखों मकान बन चुके हैं। अभी भूमाफिया कॉलोनी काट रहे हैं लेकिन प्राधिकरण और प्रशासन अवैध निर्माण नहीं रोक पा रहे हैं। इस पर सरकार ने डूब क्षेत्र में बिजली के कनेक्शन देने पर रोक लगा दी है। रविवार को सुथ्याना, कुलेसरा और लखनावली गांव के डूब क्षेत्र के रहने वाले लोगों ने एकता संघर्ष समिति के बैनर तले रैली निकाली। लखनावली की श्याम विहार कॉलोनी से रैली शुरू हुई और जय हनुमान कॉलोनी, परशुराम विहार, पवन एंक्लेव, मयूर कुंज, न्यू फ्रेंड्स, श्रीराम, राम जानकी नगर समेत अन्य कॉलोनियों से गुजरी। लोगों का कहना है कि 10 अगश्त को डीएम से मिलने पहुंचे लेकिन उन्होंने व्यक्ति को मिलने बुलाया। जबकि सैकड़ों की संख्या में निवासी पहुंचे थे। इस कारण वो डीएम से नहीं मिले।

चाचा-भतीजे को कुचलने वाले चालक पर केस दर्ज

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷ । ग्रेनो वेस्ट में सात महीने पहले हुए सड़क हादसे में कार चालक के खिलाफ न्यायालय के आदेश पर मुकदमा दर्ज हुआ। कार चालक ने चाचा और भतीजे को टक्कर मारकर घायल कर दिया था। ग्रेनो वेस्ट के रोजा जलालपुर गांव में रहने वाले ओमवीर ने न्यायालय को बताया कि वह गोलगप्पे की ठेली लगाते हैं। 7 जनवरी 2025 को उन्होंने गैलेक्सी गोल चक्कर के समीप ठेली लगा रखी थी। ठेली के पास में उनका छोटा भाई प्रेम सिंह, चचेरा भाई भूपेंद्र और भतीजा खड़े थे। रात 10:00 बजे एक बेकाबू कार ने इन सभी को टक्कर मार दी। हादसे में छोटे भाई प्रेम सिंह और भतीजे को गंभीर चोट आई। दोनों को नजदीक के अस्पताल में भर्ती करवाया गया। प्रेम सिंह का अब भी अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना के समय उन्होंने मौके पर पकड़े गए आरोपी चालक और कार को नजदीक की पुलिस चौकी में पुलिस के सुपुर्द कर दिया। आरोप है कि पुलिस ने उनकी शिकायत नहीं ली। मजबूरन कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ा। अब न्यायालय के आदेश पर बिसरख कोतवाली पुलिस ने आरोपी कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

मानेसर में अवैध कॉलोनियां पक्की करने की दिशा में बड़ा कदम, ड्रोन सर्वे कराएगा नगर निगम

गुरुग्राम एजेंसी। गुरुग्राम के मानेसर नगर निगम ने अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाली अवैध कॉलोनियों को नियमित करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। इन कॉलोनियों की सटीक पहचान और सीमांकन के लिए निगम ने एक विस्तृत योजना तैयार की है, जिसके तहत ड्रोन सर्वे कराया जाएगा। इस सर्वे का मुख्य उद्देश्य अवैध कॉलोनियों का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करना और उनकी वैधता की प्रक्रिया को गति देना है।

निगम के अधिकारियों के अनुसार इस ड्रोन सर्वे के माध्यम से मानेसर निगम सीमा के अंतर्गत आने वाली सभी अवैध और वैध कॉलोनियों का रिकॉर्ड तैयार किया जाएगा। कॉलोनियों की वास्तविक सीमाओं की डिजिटल मार्किंग की जाएगी। पूरे क्षेत्र का भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) पर रिकॉर्ड दर्ज किया जाएगा। प्रत्येक कॉलोनी में मौजूद प्लॉट की संख्या, उनकी स्थिति और निर्माण के प्रकार का पता लगाया जाएगा और सड़कों, गलियों और अन्य बुनियादी सुविधाओं की स्थिति का आकलन किया जाएगा। यह प्रक्रिया हरियाणा सरकार की अनधिकृत कॉलोनियों को नियमित करने की व्यापक योजना का हिस्सा है। पिछले साल भी एक सर्वे में 37 अवैध कॉलोनियों का रिकॉर्ड तैयार किया गया था, जिन्हें अब इस प्रक्रिया के माध्यम से वैधता प्रदान की जाएगी।

इस कारण जरूरी है सर्वे : लंबे समय से मानेसर निगम क्षेत्र में अनधिकृत कॉलोनियों की समस्या बनी हुई है, जिससे इन क्षेत्रों में रहने वाले निवासियों को बुनियादी सुविधाओं से वंचित रहना पड़ता है। इस ड्रोन सर्वे से प्राप्त सटीक डेटा सरकार को इन कॉलोनियों को नियमित करने के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करेगा। इससे सरकार को यह तय करने में मदद मिलेगी कि कौन सी कॉलोनियां वैधता के मानदंडों को पूरा करती हैं। निगम का मानना है कि इस वैज्ञानिक और पारदर्शी तरीके से सर्वे कराने से पूरी प्रक्रिया में तेजी आएगी। अधिकारियों का मानना है कि ड्रोन के इस्तेमाल से यह काम अधिक सटीक और पारदर्शी तरीके से हो पाएगा। यह सर्वे उन हजारों निवासियों के लिए एक बड़ी राहत साबित हो सकता है, जो लंबे समय से अपनी कॉलोनियों को वैध कराने का इंतजार कर रहे हैं। इससे लोगों को जल्द ही मूलभूत सुविधाएं जैसे सीवर, सड़क, स्ट्रीट लाइट, पार्क जैसी सुविधाएं मिल सकेंगी। अभी तक मानेसर निगम में तीन ही अवैध कॉलोनियों को नियमित किया जा चुका है।

शहरी स्थानीय निकाय विभाग के निर्देश पर निगम की तरफ से अवैध कॉलोनियों को नियमित करने के लिए यह सर्वे करवाया जा रहा है। सर्वे का काम निगम की तरफ से निजी एजेंसी को सौंपा जाएगा। निगम द्वारा नौ लाख रुपये का एस्टीमेट तैयार करके इसकी टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है। निगम अधिकारियों का दावा है कि अगले माह तक निजी एजेंसी द्वारा निगम क्षेत्र की अवैध कॉलोनियों का ड्रोन सर्वे का काम पूरा कर लिया जाएगा।

मानेसर नगर निगम का यह कदम न केवल इन कॉलोनियों में रहने वाले हजारों परिवारों के लिए राहत लाएगा, बल्कि नगर निगम को भी इन क्षेत्रों में विकास कार्य शुरू करने और आवश्यक सुविधाएं जैसे पानी, सीवर और सड़कें उपलब्ध कराने में मदद करेगा। इस सर्वे के बाद, प्राप्त जानकारी को सरकार के पास अधिसूचना के लिए भेजा जाएगा, जिससे इन कॉलोनियों को कानूनी मान्यता मिल सकेगी। इस वैज्ञानिक और पारदर्शी तरीके से सर्वे कराने से पूरी प्रक्रिया में तेजी आएगी।

गाजियाबाद में 41 हजार वाहन चालकों के डीएल और आरसी हो सकते हैं रद्द, पुलिस ऐसे लोगों पर लेगी ऐक्शन

गाजियाबाद , एजेंसी। गाजियाबाद ट्रैफिक पुलिस ने दस या इससे अधिक बार ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाले 41 हजार वाहनों और उनके चालकों को चिह्नित कर लिया है। ऐसे वाहनों की आरसी और चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त होंगे। पुलिस ने आरसी और ड्राइविंग लाइंस निरस्तीकरण के लिए 1,339 की लिस्ट आरटीओ ऑफिस को भेज दी है। बाकी पर भी दो माह के भीतर कार्रवाई होनी है। एडिशनल सीपी (अपराध एवं कानून व्यवस्था) आलोक प्रियदर्शी ने बीते 19 जून को पुलिस लाइंस में उपलब्ध उपकरण, सामग्री और किए जाने वाले कार्यों का निरीक्षण किया था। इस दौरान उन्होंने नशे में वाहन चलाने वालों, दोषपूर्ण नंबर प्लेट, तीन सवारी, शीशों पर काली फिल्म वाले वाहनों के खिलाफ रोजाना चालान और सीज की कार्रवाई का निर्देश दिया था। इसके अलावा दस या इससे अधिक लंबित चालान वाले वाहनों को चिह्नित कर उनका रजिस्ट्रेशन रद्द कराने के लिए संभागीय परिवहन विभाग को पत्राचार करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद ट्रैफिक पुलिस लगातार ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने पर दस या दस से अधिक चालान कटवाने वाले लोगों को चिह्नित करने में जुट गई। एडीसीपी ट्रैफिक सच्चिदानंद ने बताया कि ऐसे 41 हजार 183 वाहन चिह्नित हुए, जिन पर दस या दस से अधिक मामले लंबित हैं। दस या उससे अधिक लंबित चालान वाले वाहनों में सबसे ज्यादा ऑटो हैं। इन पर क्षमता से अधिक सवारी, गलत दिशा में चलने, बिना परमिट, इंश्योरेंस और पॉल्यूशन आदि के चालान हैं। दूसरे नंबर पर हल्के वाहन और तीसरे नंबर पर दोपहिया वाहन हैं। इसके अलावा दस या उससे अधिक लंबित चालान वाले ज्यादातर वाहन गाजियाबाद में पंजीकृत हैं। कुछ वाहन नोएडा, दिल्ली और हापुड़ में भी पंजीकृत हैं, जिन पर चालान लंबित हैं। एडीसीपी ट्रैफिक का कहना है कि सभी पंजीकरण रद्द कराने के लिए एआरटीए को पत्राचार शुरू कर दिया गया है।

'दिसंबर के बाद शिवकुमार बनेंगे कर्नाटक के मुख्यमंत्री', दावा करते ही विधायक की मुश्किलें बढ़ीं

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के कांग्रेस विधायक बसवराजू वी शिवगंगा ने शनिवार को दावा किया कि उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार दिसंबर के बाद राज्य के मुख्यमंत्री बनेंगे। हालांकि, यह दावा करते ही विधायक की मुश्किलें बढ़ गईं। शिवकुमार, जो कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष भी हैं, ने शिवगंगा के बयान को पार्टी अनुशासन का उल्लंघन करार दिया और कहा कि उन्हें नोटिस जारी किया जाएगा। चन्नगिरी से विधायक शिवगंगा ने दावणगेरे में संवाददाताओं से कहा, दिसंबर के बाद डीके मुख्यमंत्री बनेंगे...।

उन्होंने पहले भी मुख्यमंत्री बदलने के बारे में मीडिया में इसी तरह का बयान दिया था और कहा था कि शिवकुमार आने वाले दिनों में यह भूमिका संभालेंगे। बाद में शिवकुमार ने एक बयान में कहा कि कई चेतावनियों के बावजूद, शिवगंगा लगातार ऐसे बयान दे रहे हैं और उन्हें नोटिस भेजा जाएगा। उपमुख्यमंत्री ने कहा, किसी को भी मुख्यमंत्री पद और अन्य मुद्दों पर बात नहीं करनी चाहिए। विधायकों को पार्टी अनुशासन का पालन करना चाहिए। उन्हें सीमा पार नहीं करनी चाहिए। उन्हें पहले भी सख्त निर्देश दिए गए हैं कि वे अनावश्यक बयान देकर भ्रम पैदा न करें। इसके बावजूद

शिवगंगा का एक बार फिर इस मामले पर बयान देना पार्टी अनुशासन का उल्लंघन है। इसलिए उन्हें नोटिस दिया जाएगा।

कर्नाटक के राजनीतिक हलकों में, खासकर सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर, 2025 के अंत में मुख्यमंत्री के बदलने की संभावना के बारे में अटकलें लगाई जा रही हैं। इस बाबत सिद्धरमैया और शिवकुमार के बीच सत्ता-साझाकरण समझौते का हवाला दिया जा रहा है। इन अटकलों के बीच सिद्धरमैया ने कहा है कि वह पूरे पांच साल के कार्यकाल के लिए मुख्यमंत्री रहेंगे।

पैर में गोली, हाथ में हथकड़ी; फिर भी अस्पताल से फरार हो गया दरोगा की मां का हत्यारोपी

बदायूं, एजेंसी। यूपी के बदायूं में 12 अगस्त की रात एक दरोगा मनवीर सिंह की मां की गला रेतकर निर्मम हत्या करने का आरोपी धीरेंद्र सिंह पुलिस की आंखों में धूल झोंककर फरार हो गया है। बदायूं के इस्लामपुरनगर थाने की पुलिस ने शनिवार की देर रात उसे अलीपुर जंगल में एक एनकाउंटर के बाद गिरफ्तार किया था। उसके पैर में गोली लगी थी जिसके इलाज के लिए उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां से रविवार तड़के वह फरार हो गया। धीरेंद्र जिस बेड पर एडमिट था उसके सिरहाने पर एक हथकड़ी लगाई थी जिसमें संभवतः उसका एक हाथ लॉक किया गया होगा। इसके अलावा पहरा भी था। लेकिन इन सबको धता बताते हुए हत्यारोपी हिस्ट्रीशीटर अस्पताल से फरार हो गया। जाहिर है, उसके इस तरह फरार होने लेकर कई सवाल उठ रहे हैं। धीरेंद्र को गिरफ्तार करने के दौरान पुलिस ने उसके पास से हत्या में इस्तेमाल की गई हंसिया, तमंचा, कारतूस और लूटा गया सामान बरामद किया गया था। मुठभेड़ में घायल होने पर उसका मेडिकल रूदायन सीएचसी में कराया गया और इसके बाद उसे जिला अस्पताल लाया गया था। एक्स-रे रिपोर्ट आने तक धीरेंद्र को हड्डी वार्ड में भर्ती कराया गया था, जहां रविवार तड़के करीब 5:30 बजे वह पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। फरारी के समय वार्ड में हेड कांस्टेबल धर्मेंद्र सिंह और सिपाही कुशहर ड्यूटी पर मौजूद थे। आरोपी की तलाश में सिविल लाइंस, कोतवाली, एसओजी की पुलिस टीम ने लगाई हैं। पुलिस धीरेंद्र को रोडवेज बस अड्डा, जंगलों और संवेदनशील स्थानों पर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। साथ ही अस्पताल और आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। बताते चलें कि धीरेंद्र ने 12 अगस्त की रात हापुड़ जिले के बहादुरगढ़ चौकी क्षेत्र में तैनात दरोगा मनवीर सिंह की मां ज्ञानदेवी उर्फ रातरानी की लूट के बाद हत्या कर दी थी। धीरेंद्र पर पहले से ही 12 से ज्यादा मुकदमे दर्ज हैं और वह हिस्ट्रीशीटर घोषित है। पुलिस ने इस सनसनीखेज वारदात के चार दिन बाद उसे मुठभेड़ में गिरफ्तार किया था, लेकिन जिला अस्पताल से फरारी ने पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जिला अस्पताल से हिस्टीशीटर और एक दरोगा की मां के हत्यारोपी के फरार होने से बदायूं पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। लोग पुलिस की चुस्ती पर सवाल उठा रहे हैं। बताया जा रहा है कि जिला अस्पताल के हड्डी वार्ड में भर्ती धीरेंद्र सिंह वार्ड में सुरक्षा के लिए तैनात हेड कांस्टेबल और सिपाही की मौजूदगी में फरार हुआ है।

जन्माष्टमी पर झांकियों की भव्य प्रस्तुति ने मोहा दर्शकों का मन

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

जन्माष्टमी के पावन पर्व पर वैशाली सेक्टर पांच की कल्पना कॉलोनी में भव्य रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. बच्चों ने विभिन्न आकर्षक झांकियों की प्रश्तुति के जरिए दर्शकों का मनमोहन लिया। इस मौके पर मुख्य अतिथि पार्षद राजकुमार भाटी ने कहा कि

जन्माष्टमी हमें भगवान श्री कृष्ण की शिक्षाओं और उनके जीवन के महत्व को याद दिलाता है। उन्होंने कहा यह त्योहार हमें धर्म के मार्ग पर चलने और सत्य की जीत के लिए प्रयास करने की प्रेरणा देता है। इस अवसर राजीव शर्मा, प्रताप सिंह सिसोदिया, श्रीमती मधु, दीपा ढौन्ढियाल, भागीरथी चंदोला, बीना रावत, कविता बधाई और मोनी गुप्ता आदि उपस्थित थे।

कल्पना सोसाइटी के प्रधान रविन्द्र रावत, उपाध्यक्ष मधु सिंह, उपाध्यक्ष ब्रिजपाल सिंह रावत, महा सचिव तरुन ध्यानी और सचिव पुष्पा लमकोटी समेत समश्त कार्यकारिणी ने आयोजन को शानदार तरीके से सफल बनाने में सराहनीय योगदान दिया। दीपक सिंह और गौरी नागर ने सफलता पूर्वक मंच संचालन किया।

नोएडा में यमुना पुश्ते पर बनेगी 6 लेन एलिवेटेड रोड, यह होगा रूट; 4 हजार करोड़ की आएगी लागत

नोएडा , एजेंसी। नोएडा में यमुना पुश्ते पर एलिवेटेड रोड बनाने की योजना को जल्द रफ्तार मिलने की उम्मीद है। यह एलिवेटेड रोड नोएडा में सेक्टर-94 गोलचक्कर के पास से सेक्टर-150 तक बननी है। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने इसके निर्माण के लिए शासन और नोएडा प्राधिकरण को प्रस्ताव दिया है। इसके साथ ही सिंचाई विभाग से एनओसी लेने की प्रक्रिया भी तेज हो गई है।

सड़क को ग्रेटर नोएडा की ओर इसको सेक्टर-150 के पास नोएडा-ग्रेटर नोएडा एवं यमुना एक्सप्रेसवे से जोड़ा जाएगा। छह लेन की इस सड़क के निर्माण पर करीब चार हजार करोड़ रुपये खर्च आने का अनुमान है। इसके बनने से नोएडा और ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर जाम में कमी आएगी। यह पुश्ता सिंचाई विभाग का हिस्सा है। यमुना बांध रोड के समानांतर इसको बनाया जाएगा। पुश्ते के एक तरफ हजारों की संख्या में अवैध रूप से फार्म हाउस बने हुए हैं, जबकि दूसरी तरफ सेक्टर, सोसाइटी व गांव लगे हुए हैं।

इन दिनों पुश्ते पर सड़क में जगह-जगह गढ्ढे हो रखे हैं। ऐसे में यहां कोई भी निर्माण शुरू करने से पहले सिंचाई विभाग से अनुमति लेनी होगी। अब पुश्ते पर एलिवेटेड रोड के निर्माण के लिए प्रदेश सरकार का लोक निर्माण विभाग आगे आया है।

लोक निर्माण विभाग ने शासन व नोएडा प्राधिकरण को प्रस्ताव देकर इसको बनाने की इच्छा जताई है। विभाग के प्रस्ताव पर शासन ने मंथन शुरू कर दिया है। इस बारे में नोएडा प्राधिकरण के महाप्रबंधक एके अरोड़ा ने बताया कि लोक निर्माण विभाग एलिवेटेड रोड बनाने के लिए आगे आया है। इस प्रस्ताव पर शासन को फैसला लेना है। उन्होंने

गुरुग्राम में मणप्पुरम गोल्ड के ऑफिस में लूट, कैश और सोना लेकर बदमाश फरार

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम में शीतला माता रोड पर मणप्पुरम गोल्ड के ऑफिस में लूट की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। बताया जाता है कि वारदात को 4 से 5 आरोपियों ने अंजाम दिया। आरोपी कुछ कैश और सोना लेकर फरार हो गए। बदमाशों ने लूट की वारदात के दौरान मणप्पुरम गोल्ड के ऑफिस में मौजूद 3 कर्मचारियों को घायल भी कर दिया। गुरुग्राम पुलिस वारदात की छानबीन कर रही है। फिलहाल विस्तृत जानकारी का इंतजार है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, शनिवार शाम को शीतला माता रोड पर स्थित मणप्पुरम गोल्ड लोन की एक शाखा में ऑडिटर बनकर दाखिल हुए सशस्त्र बदमाशों ने कर्मचारियों को बंधक बनाकर नौ लाख रुपये कैश और सोने के जेवरात लूट लिए। विरोध करने पर बदमाशों ने कंपनी के असिस्टेंट मैनेजर समेत दो कर्मचारियों को हथियार के बट से मारकर घायल कर दिया।

वारदात को अंजाम देकर बदमाश फरार हो गए। इससे पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। घटना शनिवार शाम करीब 6:00 बजे की है। पुलिस को दी गई जानकारी के अनुसार, 2-3 बदमाश मणप्पुरम गोल्ड कंपनी के कार्यालय में पहुंचे और सुरक्षाकर्मी को फर्जी ऑडिटर

कार्ड दिखाकर अंदर दाखिल हो गए। उनके पीछे कुछ और साथी भी शाखा में घुस आए।

अंदर आते ही एक बदमाश ने पिस्तौल निकाल ली और सभी कर्मचारियों को गन प्वाइंट पर ले लिया। बदमाशों ने खुद को कंपनी का ऑडिटर बताते हुए जांच करने का झांसा दिया था। बदमाशों ने कर्मचारियों को जान से मारने की धमकी देते हुए लॉकर में रखे सोने के जेवरात को एक बैग में भरने को कहा।बताया जाता है कि जब कंपनी के असिस्टेंट मैनेजर कृष्णा और एक अन्य कर्मचारी ने इसका विरोध करने की कोशिश की तो बदमाशों ने उनके सिर पर पिस्तौल के बट से हमला कर उन्हें घायल कर दिया। सहमे हुए बाकी कर्मचारियों ने करीब नो लाख रुपये के सोने के जेवरात बदमाशों के हवाले कर दिए।

महज 10 से 15 मिनट में पूरी वारदात को अंजाम देकर बदमाश हथियार लहराते हुए मौके से फरार हो गए। कर्मचारियों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही सेक्टर-5 थाना पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीमें मौके पर पहुंच गईं। घायल कर्मचारियों को प्राथमिक उपचार के लिए भेजा गया। पुलिस ने शाखा में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज अपने कब्जे में ले ली है। पुलिस बदमाशों की पहचान करने का प्रयास कर रही है। गुरुग्राम पुलिस ने पूरे जिले में नाकाबंदी कर दी है और बदमाशों की तलाश में सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वारदात को पूरी योजना के साथ अंजाम दिया गया है। फिलहाल, पुलिस की कई टीमें गठित कर दी गई हैं जो बदमाशों के संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही हैं।

किश्तवाड़ आपदा: जीएमसी जम्मू के चिकित्सकों ने गंभीर रूप से घायल 25 लोगों की बड़ी सर्जरी की

जम्मू, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के प्रमुख स्वास्थ्य संस्थानों में शामिल राजकीय मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) एवं अस्पताल ने किश्तवाड़ में बादल फटने की घटना से उत्पन्न चिकित्सा संकट से निपटने में अग्रणी भूमिका निभाई तथा गंभीर रूप से घायल 25 लोगों की जटिल सर्जरी कर उनकी जान बचाई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। जीएमसी जम्मू के प्रिंसिपल डॉ. आशुतोष गुप्ता ने बताया, 14 अगस्त की रात को गंभीर रूप से घायल 66 मरीजों को जीएमसी जम्मू ले आया गया। उसी रात लोगों की जान बचाने के लिए लगभग 25 बड़ी सर्जरी की गई। चिकित्सा देखभाल जारी रही तथा और सर्जरी की गई। यह आपदा 14 अगस्त को अपराह्न लगभग 12:30 बजे मचैल माता मंदिर के रास्ते में पड़ने वाले चिशोती गांव में आई, जिसमें 60 लोग मारे गए और 100 से अधिक घायल हो गए। बादल फटने से आई बाढ़ के बाद अब तक 82 लोग लापता बताए जा रहे हैं, जिनमें 81 तीर्थयात्री और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) का एक जवान शामिल है।

जीएसटी का मुद्दा सांसद में उठाने पर आभार जताया

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷ । जीएसटी का मुद्दा उठाने पर व्यापारियों ने सांसद अतुल गर्ग का आभार प्रकट किया है। रविवार को अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंच ने सांसद को आभार पत्र सौंपा। इस दौरान मंच के प्रदेश अध्यक्ष संजय बिंदल ने कहा कि व्यापारी लंबे समय से जीएसटी की जटिलताओं से परेशान है। व्यापारियों की समस्या समझते हुए सांसद ने इस मुद्दे को उठाया है। उन्होंने व्यापारियों की आवाज बनकर उनकी समस्याओं का समाधान कराने का प्रयास किया। यही सच्चे जनप्रतिनिधि की पहचान है। मौके पर आरके आर्य, बलप्रीत सिंह, पवन शर्मा, हेमराज माहौर, मोहम्मद ग़ालिब, प्रेम सिंह चौहान आदि मौजूद रहे।

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव में महिलाओं ने फोड़ी दही हांडी

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷ । शालीमार गार्डन व्यापारी वेलफेयर एसोसिएशन ने रविवार को शहीद स्थल पर श्रीकृष्ण जन्मोत्सव और दही हांडी प्रतियोगिता आयोजित की। मुख्य अतिथि सांसद अतुल गर्ग को अध्यक्ष केशव सक्सेना और महामंत्री गोपाल मित्तल ने कृष्ण प्रतिमा और शाल भेंट की। बाल कलाकारों ने राधा-कृष्ण, हनुमान, शिव-पार्वती, राम-लक्ष्मण और सीता के रूप में प्रस्तुतियां दीं। सुमन सती ने मंच संचालन किया। महिलाओं की दही हांडी प्रतियोगिता में कविता काला विजेता रहीं। मीडिया प्रभारी प्रतीक माथुर ने बताया कि समापन आरती और माखन-मिश्री प्रसाद वितरण के साथ हुआ। सोनू शर्मा, नीरज गुप्ता, धर्मेंद्र भदोरिया, पंकज त्यागी आदि उपस्थित रहे।

मेट्रो स्टेशन पर जेब से मोबाइल चोरी

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷ । सेक्टर-52 मेट्रो स्टेशन पर चोरों ने एक व्यक्ति के जेब से मोबाइल निकाल लिया। सेक्टर-49 थाने में दी शिकायत में कानपुर देहात निवासी फिरोज ने बताया कि वह मेट्रो से दिल्ली के कश्मीरी गेट जा रहे थे। सेक्टर-52 मेट्रो स्टेशन पर उन्होंने जेब में हाथ डाला तो मोबाइल गायब मिला।

पिस्तौल के साथ बदमाश गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷ । वारदात की फिराक में घूम रहे आरोपी को सेक्टर-113 थाने की पुलिस ने रविवार को एफएनजी पुश्ता रोड के पास से दबोच लिया। उसके पास से तमंचा और कारतूस बरामद हुआ है। आरोपी की पहचान मैनपुरी के खरगजीत नगर निवासी देवांश यादव उर्फ हनी के रूप में हुई। वर्तमान में वह किराये का कमरा लेकर सर्फाबाद गांव में रह रहा है। थाना प्रभारी ने बताया कि देवांश शातिर किस्म का अपराधी है। रविवार को वह वारदात करने की फिराक में घूम रहा था, तभी मुखबिर की सूचना पर उसे गिरफ्तार किया गया।

अधिवक्ता को युवकों ने पीटा

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷ । सेक्टर-15 स्थित नयाबांस गांव में घर के सामने हुड़दंग कर रहे युवकों को टोकना एक अधिवक्ता को भारी पड़ गया। आरोपियों ने अधिवक्ता की पिटाई कर धारदार हथियार से हमला किया। सोने की चेन और नकदी छीनकर ले गए। पीड़ित की शिकायत पर फेज-वन थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। यश यादव ने पुलिस को बताया कि वह अधिवक्ता हैं और किरायेदारी का भी काम करते हैं। 12 अगश्त को उनकी कार का तेल खत्म हो गया था। उन्होंने पड़ोस के युवकों से तेल मंगवाया था। इसी बीच कुछ लोग कार के पास खड़े होकर हुड़दंग कर रहे थे। उन्होंने युवकों से वहां से हटने को बोल दिया था। वह जैसे ही कार में तेल डालने के लिए चले तो काली एक युवक ने उनके ऊपर धारदार हथियार से हमला कर दिया और मारपीट शुरू कर दी। तभी दो-तीन युवक और आए और उन्होंने जमीन पर पटक दिया। आरोप है कि उनकी 22 ग्राम की सोने की चेन और 20 हजार रुपये भी छीनकर ले गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पीड़ित को अस्पताल पहुंचाया।

लोक अदालत 13 सितंबर को लगेगी

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷ । सूरजपुर स्थित जिला न्यायालय में 13 सितंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन होगा। इसमें एमवी ऐक्ट के ई-चालान और समझौते के आधार पर निपटाए जाने योग्य मामलों का त्वरित निश्तारण किया जाएगा।

शेयर बाजार में निवेश के नाम पर बुजुर्ग से 68 लाख रुपए ठगे

व्हाट्सऐप ग्रुप में जोड़कर ठगी की, आठ बार में रकम ट्रांसफर कराई निवेश करने के बाद छह करोड़ रुपये मुनाफा होने का दावा किया गया

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷

साइबर अपराधियों ने एक बुजुर्ग को शेयर बाजार में निवेश का झांसा देकर 68 लाख से अधिक की ठगी की। जालसाजों ने व्हाट्सऐप ग्रुप से जोड़कर ठगी की वारदात को अंजाम दिया।

आठ बार में निवेश के लिए रकम ट्रांसफर कराई गई। छह करोड़ रुपये मुनाफा होने का दावा किया गया। इसे प्राप्त करने के लिए 20 प्रतिशत रकम की मांग की गई। ठगी का अहसास होने पर बुजुर्ग ने साइबर अपराध थाने में मुकदमा दर्ज कराया है।

सेक्टर-128 स्थित जेपी विशटाउन की किलिप्सो कोट सोसाइटी निवासी जैयश जगदीश पटेल ने पुलिस को बताया कि वह कारोबारी हैं। शेयर बाजार में भी रुचि रखते हैं। 16 जुलाई को उनके मोबाइल नंबर पर व्हाट्सऐप पर मैसेज आया।

मैसेज करने वाले ने एक वेबसाइट पर जुड़ने के लिए कहा। दावा किया गया कि इस ग्रुप पर जुड़ने के बाद जितनी रकम निवेश किया जाएगा, उससे कई गुना अधिक फायदा होगा।

पीड़ित ने विश्वास कर 22 जुलाई को पहली बार 50 हजार रुपये अपने आईसीआईसीआई बैंक के बचत खाते से ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद धीरे-धीरे आठ अगश्त तक आठ बार में कुल 68 लाख 77 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए। यह रकम आरोपी के तमिलनाडु स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा के बैंक खाते में ट्रांसफर की गई थी।

यह रकम निवेश करने के बाद जालसाजों ने बताया कि उन्हें पांच करोड़ रुपये से ज्यादा का लाभ हुआ है। यह केवल कागज पर था। पीड़ित को एक भी रुपया वापस नहीं मिला।

पीड़ित ने जब रुपये वापस निकालने की मांग की तो उन्होंने कहा कि उनके पांच करोड़ 99 लाख 74 हजार 558 रुपये हो गए हैं। इसका उन्हें 20 प्रतिशत शुल्क जमा कराना होगा।

जालसाजों ने 20 प्रतिशत रकम के रूप में एक करोड़ छह लाख 19 हजार 511 रुपये ट्रांसफर करने के लिए कहा। तब जाकर पीड़ित को ठगी होने का अहसास हुआ।

पीड़ित का कहना है कि उसके बाद से आरोपी लगातार व्हाट्सऐप पर मैसेज करके उन्हें परेशान कर रहे हैं। साइबर सेल की डीसीपी प्रीति यादव का कहना है कि शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

SDM रितु रानी को जान से मारने की धमकी एवं फिरौती वसूली के आरोपी गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. धामपुर ✷

एसडीएम धामपुर रितु रानी से फिरौती मांगने और न देने पर जान से मारने की धमकी देने वाले

आरोपी को धामपुर पुलिस ने तेलंगाना से गिरफ्तार किया है।

आप को बता दें कि 24 जुलाई 2025 को उपजिलाधिकारी धामपुर रितु चौधरी के सरकारी सीयूजी मोबाइल नंबर पर दोपहर 2 बज कर 50 मिनट पर एक मोबाइल नम्बर से कई मैसेज एवं फोटो भेजे गये।, जिसमे उन्हें जान से मारने, अंजाम भुगताने आदि की धमकी दी गई थी। 15 लाख रुपये की मांग की गई थी ।

इस संबंध में उपजिलाधिकारी रितु चौधरी की तहरीर पर थाना धामपुर पर मुकदमा पंजीकृत किया गया। विवेचनात्मक कार्यवाही के दौरान अभियुक्त धीरज रेड्डी पुत्र नन्दी गारा पेरेसवारा रेड्डी निवासी अयप्पा सोसायटी थाना माधापुर जनपद रंगारेड्डी (तेलंगाना) का नाम प्रकाश में आया। पुलिस द्वारा उपरोक्त अभियोग में वांछित अभियुक्त धीरज रेड्डी पुत्र नन्दी गारा पेरेसवारा रेड्डी को गिरफ्तार किया गया है।

अग्रिम आवश्यक कार्यवाही प्रचलित है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक देवेन्द्र यादव, हैड कांस्टेबल अमित कुमार, विवेक तोमर साइबर थाना बिजनौर, कांस्टेबल अशोक कुमार आदि शामिल रहे।

स्योहारा नगर पालिका में फहराया उल्टा तिरंगा, चेयरमेन की लापरवाही पर भड़के लोग

✷ एनसीआर टुडे. स्योहारा ✷

स्वतंत्रता दिवस के मौके पर स्योहारा नगर पालिका परिसर में राष्ट्रीय ध्वज को उल्टा फहराए जाने का मामला सामने आया है।

इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसे देखकर लोग आक्रोशित हैं।

हैरानी की बात यह है कि नगर पालिका चेयरमेन फैसल वारसी ने न केवल इस गलती को ठीक करने की जहमत नहीं उठाई।बल्कि इस वीडियो को अपने व्हाट्सएप स्टेटस पर भी डाल दिया, जिससे उनकी लापरवाही और साफ हो गई।

वायरल वीडियो में दिख रहा है कि चेयरमेन के केबिन में कुछ बच्चे हाथों में तिरंगा लिए खड़े हैं। इनमें से एक बच्चे के हाथ में राष्ट्रीय ध्वज उल्टा है, जिसमें केसरिया रंग नीचे और हरा रंग ऊपर नजर आ रहा है। यह दृश्य नगर पालिका परिसर में स्वतंत्रता दिवस के दिन का बताया जा रहा है।

इस लापरवाही ने लोगों में गुस्सा पैदा कर दिया है और इसे राष्ट्रीय ध्वज का अपमान बताते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की जा रही है।

स्थानीय लोगों ने इस घटना को गंभीरता से लेते हुए सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर की है। एक यूजर ने लिखा, 'राष्ट्रीय ध्वज का इस तरह अपमान शर्मनाक है। चेयरमेन को तुरंत इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए।' वहीं, एक अन्य व्यक्ति ने कहा, 'यह सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सम्मान के साथ खिलवाड़ है।'

जब इस मामले की जानकारी के लिए चेयरमेन फैसल वारसी और नगर पालिका के कार्यकारी अधिकारी (ईओ) से संपर्क करने की कोशिश की गई, तो दोनों ने फोन रिसीव नहीं किया और इस मुद्दे से बचते नजर आए। इस घटना ने स्थानीय प्रशासन की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए हैं।

लोगों का कहना है कि राष्ट्रीय ध्वज के प्रति ऐसी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस मामले में जिला प्रशासन से शीघ्र जांच और उचित कार्रवाई की मांग की जा रही है।

फिलहाल, यह वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है और लोग इस पर अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

हैंडबॉल के ट्रायल में छह मंडलों से 160 खिलाड़ी हुए शामिल

स्टेडियम में हुए ट्रायल, लखनऊ में होगी खिलाड़ियों की नीलामी

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷

गौतमबुद्ध नगर में आयोजित होने वाली उत्तर प्रदेश प्रो हैंडबॉल लीग के लिए रविवार को प्रथम चरण के ट्रायल आयोजित हुए। ट्रायल में छह मंडलों से 160 खिलाड़ी शामिल हुए। तीन चरण में ट्रायल के बाद आठ टीमों का गठन किया जाएगा।

दरअसल, गौतमबुद्ध नगर में उत्तर प्रदेश हैंडबॉल एसोसिएशन की ओर से आईपीएल की तर्ज पर यूपी प्रो हैंडबॉल लीग का आयोजन होगा। लीग के लिए आयोजकों की ओर से खिलाड़ियों की चयन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। प्रक्रिया के तहत रविवार को नोएडा के सेक्टर 21 ए स्थित नोएडा स्टेडियम में पहले चरण के ट्रायल हुए।

जिसमें मेरठ, आगरा, अलीगढ़ सहारनपुर, बरेली और मुरादाबाद मंडल के खिलाड़ी शामिल हुए। ट्रायल के माध्यम से 60 खिलाड़ियों का चयन अगले राउंड के लिए हुआ हैं।

हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के अंतरराष्ट्रीय रेफरी प्रवीन सिंह, प्रियदीप सिंह, मुख्य कोच मोहम्मद तौहीद, एसएसबी टीम के कोच आदित्य यादव, उत्तर प्रदेश पुलिस टीम के कोच मनोज चौरसिया की निगरानी में ट्रायल हुए। यूपी हैंडबॉल एसोसिएशन के कार्यकारी सचिव अमित पांडेय ने बताया कि सितंबर में ट्राफी लॉन्च होगी और अक्तूबर में खिलाड़ियों की नीलामी होगी।

इसमें नोएडा, लखनऊ, वाराणसी, प्रयागराज, अयोध्या, मेरठ आदि टीमें अपनी पसंद के खिलाड़ी का चयन करेंगी। हर टीम में दो-दो खिलाड़ी दूसरे राज्य से होंगे।

लखनऊ में होंगे दूसरे और तीसरे चरण के ट्रायल

आयोजकों के अनुसार ट्रायल में चयन खिलाड़ी अक्तूबर में होने वाले ऑक्शन (नीलामी) में भाग लेंगे।

हालांकि ट्रायल में करीब 250 खिलाड़ियों के आने की संभावना जताई जा रही थी। इसमें गौतमबुद्ध नगर से भी करीब 20 खिलाड़ी शामिल हुए। आयोजकों की ओर से लीग के आयोजन की तिथि व स्थान को लेकर घोषणा नहीं की गई है।

ऐसे में नोएडा या ग्रेटर नोएडा के स्टेडियमों में लीग के मुकाबले होने की संभावना जताई जा रही है। 100 स्पोर्ट्स के कोऑर्डिनेटर व लीग के सचिव पप्पल गोस्वामी ने बताया कि दूसरे चरण व तीसरे चरण के ट्रायल लखनऊ में 24 व 25 अगश्त को होंगे।

बाइक से पानी की छींटे गिरने पर युवक को पीटा

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷

जेवर कस्बे के एक मोहल्ले में बाइक से जा रहे एक युवक के साथ मारपीट की गई। आरोप है कि बाइक से पानी की छींटे सड़क किनारे खड़े एक युवक पर गिर गई। इस बात को लेकर बाइक सवा से मारपीट की गई।

कस्बे के मोहल्ला सल्लियान में रहने वाली बबीता देवी ने पुलिस को बताया कि गुरुवार को उसका बेटा प्रशांत बाइक पर सवार होकर निकल रहा था।

मोहल्ले की गली के राश्ते में पानी भरा हुआ था। जैसे ही प्रशांत ने बाइक पानी से निकाली तो कुछ छींटे सड़क किनारे खड़े राहुल के ऊपर जा गिरी।

इसी बात को लेकर राहुल ने प्रशांत को रोक लिया और उसके साथ गाली गलौज की। राहुल ने अपनी साथियों को बुलाकर प्रशांत को लाठी-डंडे से बुरी तरह पीटा।

आसपास मौजूद लोगों ने किसी तरह प्रशांत को बचाया। इसके बाद आरोपी धमकी देकर चले गए। महिला का आरोप है कि आरोपी वीडियो बनाकर फिर से मारने की धमकी दे रहे हैं।

इसकी शिकायत पुलिस से की है। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि महिला की शिकायत पर आरोपी राहुल, अजीत और अमित के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

ऐतिहासिक रामडोल का जुलूस कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच हर्षोल्लास के साथ निकाला

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

पश्चिम उत्तर प्रदेश का ऐतिहासिक रामडोल का जुलूस बेहद कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच पूरे हर्षोल्लास व परंपरागत तरीक़े से निकाला गया। देर शाम जुलूस का समापन बढ़ापुर रोड स्थित श्री कृष्ण गौशाला के प्राचीन ब्राह्मणी वाला तालाब पर जाकर हुआ। जहां पर बड़े मंदिर के पुजारी पंडित डॉ विपिन चंद्र त्रिपाठी ने भगवान श्री कृष्ण के पोतड़े धोने की रस्म अदा करने के साथ ही जुलूस संपन्न हो गया।

प्राप्त विवरण के अनुसार रामडोल का जुलूस रविवार की दोपहर नगीना कोतवाली मार्ग स्थिति एक प्रतिष्ठान पर झांकियों के साथ तैयार होकर दोपहर को प्राचीन मंदिर मुक्तेश्वर नाथ पर पहुंचा। जहां पर विधिवत रूप से जुलूस प्रारंभ होने से पहले मंदिर परिसर में डॉ विपिन चंद्र त्रिपाठी ने सभी 09 अखाड़ों के अस्त्र शस्त्रों की विशेष पूजा करा कर अखाड़े के उश्तादों और खलीफा तथा अखाड़े में करतब दिखाने वाले युवाओं को तिलक लगाकर रवाना किया। विशेष पूजा अर्चना के यजमान रामडोल जलूस के आयोजक व मंदिर कमेटी के प्रबंधक स्वर्गीय साहू रविश चंद्र अग्रवाल के सुपुत्र साहू सलिल अग्रवाल रहे।

इससे पूर्व राम ढोल के जुलूस में शामिल होने वाली विभिन्न आकर्षक मनोहर झांकियां भगवान राधा कृष्ण कंस के कारागार में बाल कृष्ण लिए बैठे वासुदेव।

राजा हरिश्चंद्र शिव पार्वती का नृत्य भगवान श्री कृष्ण का डोला नगीना कोतवाली रोड स्थित मंडी समिति के सामने से प्रारंभ हुआ। सभी झांकियां बड़े मंदिर पहुंचकर जुलूस के रूप में शामिल हो गई।

विभिन्न मोहल्लों से आए अखाड़े भी जुलूस में शामिल हो गए। जुलूस में सबसे आगे चल रहे बैंड पर कलाकार मधु स्वर में भगवान श्री कृष्ण की लीलाओं का गुणगान कर रहे थे तथा भजनों व देशभक्तों के गीतों को प्रश्तुत कर रहे थे। वही तमाम कलाकार जलूस में अपने करतब दिखा रहे थे।

जलूस के अखाड़े जैसे ही थाना गेट पर पहुंचे। तो वहां पर उपस्थित थाना प्रभारी संजय कुमार तोमर सहित उच्च अधिकारी अखाड़े के उश्तादों को पगड़ी बांधकर उन्हें मिष्ठान देकर सम्मानित कर आगे बढ़ाते चले गए।

देर शाम जलूस ब्राह्मणी वाले तालाब पर विधि विधान के साथ संपन्न हुआ। जुलूस का नेतृत्व साहू कपिल अग्रवाल, हरि गोपाल, शरद गर्ग, राजीव अग्रवाल, सन्नी चौधरी, आलोक चौधरी, सचिन विश्नोई, राजू विश्नोई सहित तमाम लोगों ने किया।

वही रामडोल के जुलूस को शांतिपूर्वक संपन्न कराने के लिये प्रशासन द्वारा जलूस के मार्ग पर संदिग्ध लोगों की पहचान के लिए बड़ी रेंज के सीसीटीवी केमरे लगाये गये। मकानों व धार्मिक स्थलों पर हथियारों से लेस जवान तैनात रहे।

सभी अखाड़ों की वीडियो ग्राफी कराते हुए समश्त पुलिस बल सन्दिग्ध व अराजक तत्वों पर कड़ी निगाह रखे हुए था। अपर पुलिस अधीक्षक नगर संजीव कुमार बाजपेई, एसपी ग्रामीण विनय कुमार सिंह सुबह से ही रामडोल के जुलूस के मार्ग का भ्रमण कर पुलिस को ब्रीफ कर रहे थे। जलूस में 02 एसडीएम, 07 सीओ, 4 तहसीलदार, 10 थाना प्रभारी निरीक्षक, 82 सब इन्स्पेक्टर, 250 कांस्टेबिल, 45 महिला सिपाही, 4 ट्रैफिक पुलिस, एक कम्पनी पीएसी, 3 फायर सर्विस की गाड़ी तथा एक बज्र व क्यूआरटी की टीम सहित 590 कर्मचारियों की डयूटी जलूस में रही।

जुलूस को शांतिपूर्वक संपन्न कराने में उपजिलाधिकारी आशुतोष रामप्यारे जैसवाल, सीओं डा अन्जनी कुमार चतुर्वेदी, सीओ मुरादाबाद राजेश कुमार, सीओ संग्राम सिंह, सीओ राकेश वशिष्ठ, प्रवेज कुमार, भाजपा नेता क्षेत्रीय मंत्री अनूप वाल्मिकी, प्रमोद चौहान, सचिन शर्मा, नौशाद अप्पा, शहराज खलील आदि लोगों का योगदान रहा।

वही नगर नगीना के गणमान्य लोगों में शामिल वरिष्ठ पत्रकार तनवीर अंसारी, लियाकत मलिक, राशिद उस्मानी, वसीम वारसी एडवोकेट अध्यक्ष भारतीय प्रेस क्लब नगीना अंकुर पत्रकारअरशद मसूद उर्फ शन्नू भाई, सभासद बदर मुनीम, असलम सिद्दीकी, शहराज खलील, शेख जमशेद, शेख नौशाद अप्पा जुलूस समापन में शामिल रहे।

सेक्टर-142 से बोटेनिकल गार्डन तक मेट्रो को ग्रीन सिग्नल जल्द

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷

सेक्टर-142 से बोटेनिकल गार्डन तक मेट्रो रूट को जल्द ग्रीन सिग्नल मिलने की उम्मीद है। नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (एनएमआरसी) के एमडी ने जुलाई में इस परियोजना का प्रजेंटेशन दिया था।

अब अधिकारियों का कहना है कि केंद्र में पब्लिक इनवेस्टमेंट बोर्ड (पीआईबी) का मंजूरी पत्र किसी भी दिन आ सकता है। इससे लोगों को सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी।

एनएमआरसी के एमडी डॉ. लोकेश एम ने बताया कि यह रूट एक्वा मेट्रो के यात्रियों को आईजीआई एयरपोर्ट और दिल्ली-आनंद विहार रेलवे स्टेशन से जोड़ेगा। बोटेनिकल गार्डेन से मजेंटा लाइन के जरिये एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 तक सीधा सफर होगा।

ब्लू लाइन के जरिये यात्री आनंद विहार और नई दिल्ली रेलवे स्टेशन भी सीधे पहुंच सकेंगे। शुरुआती चरण में करीब 80 हजार यात्री इस रूट पर मिलने का अनुमान है। ग्रेटर नोएडा से बॉटनिकल गार्डन तक सीधी मेट्रो कनेक्टिविटी हो जाएगी। मेट्रो चलने से नोएडा में सेक्टर-44, 45, 97, 99, 100, 104, 105, 108 और 93 में रहने वाले लोगों को सबसे ज्यादा फायदा होगा।

सेक्टर-142 से बोटेनिकल गार्डन तक एक्वा मेट्रो के नए रूट की लंबाई करीब 11.56 किमी है। इस रूट पर आठ स्टेशन बनेंगे। इस परियोजना की अनुमानित लागत 2,254.35 करोड़ रुपये है। नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन बोर्ड, नोएडा प्राधिकरण बोर्ड और प्रदेश सरकार इस रूट को मंजूरी दे चुकी हैं। केंद्र में अब पीआईबी की मंजूरी का इंतजार है।

डिपो से बोड़ाकी रूट का अब होगा डीडीसी सर्वे

एनएमआरसी ने इस वर्ष दो नए रूट पर मेट्रो परियोजनाओं को शुरू करने का लक्ष्य रखा है। सेक्टर-142 से बोटेनिकल गार्डन के अलावा ग्रेटर नोएडा में डिपो से बोड़ाकी तक भी प्रश्तावित है। डिपो से बोड़ाकी तक मेट्रो रूट को मंजूरी मिल चुकी है। एनएमआरसी निर्माण टेंडर जारी करने के लिए डिपो से बोड़ाकी के बीच मेट्रो रूट का डिटेल डिजाइन कंस्ट्रक्शन (डीडीसी) सर्वे कराने जा रहा है। अगले हफ्ते तक टेंडर जारी हो जाएगा। मेट्रो कॉरपोरेशन के अधिकारियों ने बताया कि इस सर्वे से होने वाले निर्माण, ट्रैक, बिजली केबल के काम का विभाजन हो जाएगा। फिर उसी हिसाब से टेंडर जारी किए जाएंगे। अभी एक्वा लाइन पर नोएडा के सेक्टर-51 से ग्रेनो के डिपो मेट्रो स्टेशन तक मेट्रो चल रही है। अब ग्रेनो डिपो से बोड़ाकी तक मेट्रो जाएगी।

जामिया अरबिया रशीदिया, नगीना में स्वतंत्रता दिवस का भव्य आयोजन

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

भारत के 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जामिया अरबिया रशीदिया, नगीना में एक शानदार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत ध्वजारोहण से हुई। जामिया के प्रमुख, हज़रत मौलाना डॉक्टर ख़लीक़ अहमद क़ासमी साहब ने तिरंगा फहराया। छात्र और शिक्षक सम्मानपूर्वक खड़े होकर राष्ट्रगान गाने लगे। वातावरण देशभक्ति के नारों से गूंज उठा।

सभा की अध्यक्षता हज़रत मौलाना डॉक्टर ख़लीक़ अहमद क़ासमी साहब ने की, जबकि संचालन का कार्य मौलाना मुफ़्ती कफ़ील अहमद मज़ाहिरी शिक्षक जामिया ने सुचारु रूप से किया। कुरआन-ए-करीम की तिलावत का सौभाग्य मोहम्मद इशान ने पाया, और नात-ए-रसूल सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम मोहम्मद मशकूर ने बड़े ही प्यार और जज़्बे के साथ प्रश्तुत की, जिसने श्रोताओं के दिलों को गर्मा दिया।

जामिया के शैख़-उल-हदीस हज़रत मौलाना मोहम्मद सुलेमान क़ासमी साहब ने अपने विशेष भाषण में 1703 से 1947 तक की आज़ादी की यात्रा को बड़े ही संक्षेप, प्रमाणिक और ऐतिहासिक संदर्भों के साथ बयान किया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता अल्लाह तआला की एक महान नेमत है। यह कोई संयोग नहीं, बल्कि सदियों की मेहनत, संघर्ष और कुर्बानियों का नतीजा है।

1703 में जब मुग़ल साम्राज्य का पतन शुरू हुआ तो विदेशी ताक़तों ने हमारे देश पर कब्ज़े की कोशिशें तेज़ कर दीं। अंग्रेज व्यापारी के रूप में आए और हुकूमत के मालिक बन बैठे। उस दौर में नवाब सिराजुद्दौला ने प्लासी के मैदान में अंग्रेजों का डटकर मुक़ाबला किया, लेकिन साज़िश और गद्दारी ने जीत को हार में बदल दिया।

उन्होंने आगे कहा कि सुल्तान टीपू ने अपनी ज़िंदगी का हर लम्हा ब्रिटिश साम्राज्य के खिलाफ जिहाद में बिताया और शहादत को गले लगाया। इसी तरह हज़रत ज़ामिन शहीद और असंख्य गुमनाम स्वतंत्रता सेनानियों ने अपनी जानें क़ुर्बान कीं, लेकिन ग़ुलामी स्वीकार नहीं की। इन बुज़ुर्गों की कुर्बानियों के बिना आज की यह आज़ादी संभव नहीं थी।

उन्होंने यह भी कहा कि स्वतंत्रता का मतलब केवल जश्न मनाना नहीं है, बल्कि यह संकल्प लेना है कि हम अपने देश की रक्षा करेंगे, शिक्षा प्राप्त करेंगे, अपने आचरण को सुधारेंगे और दीन व मिल्लत की सेवा करेंगे। अगर हमने लापरवाही बरती और शैक्षिक पिछड़ेपन में पड़े रहे, तो इतिहास अपने आप को दोहरा सकता है। उन्होंने अंत में दुआ की कि अल्लाह तआला इस वतन को हर फितने और बुराई से महफ़ूज़ रखे और हमें इसकी सही सेवा करने की तौफ़ीक़ दे।'

जामिया के छात्र मोहम्मद अफ़्फ़ान, मोहम्मद अबूज़र, मोहम्मद अयाज़, मोहम्मद मुआज़, मोहम्मद सआद, मोहम्मद आज़ान, मोहम्मद मुफ़स्सिर, अब्दुल्लाह, अब्दुर्रहीम, मोहम्मद मुज़्ज़म्मिल आदि ने स्वतंत्रता के विषय पर जोशपूर्ण भाषण प्रश्तुत किए।

कार्यक्रम में मौलाना मोहम्मद रईस साहब, मौलाना हिफ़्ज़ुर्रहमान साहब, मौलाना वकील अहमद साहब, मुफ़्ती मोहम्मद शादाब साहब, क़ारी मोहम्मद क़ासिम साहब, हकीम मोहम्मद मिराज साहब, हाफ़िज़ मोहम्मद ज़ैद समेत बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। अंत में देश की सलामती और अमन-चैन की दुआ के साथ यह गरिमामय कार्यक्रम समाप्त हुआ। माहौल देर तक मिल्लत गीतों और देशभक्ति के तरानों से गूंजता रहा।

संपादकीय

ट्रंप के षडयंत्र का अंग था अलास्का संवाद?

यूक्रेन-रूस युद्ध विराम का मुखौटा ओढ़कर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया में अपनी सकारात्मक छवि स्थापित करने की एक बार फिर कोशिश की। अलास्का के एंकोरेज में उन्होंने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ लगभग तीन घंटे तक एकान्त में बातचीत की जिसके आखिरी दौर में दोनों राष्ट्राध्यक्षों के साथ आये दो-दो प्रमुख सलाहकारों को भी वार्ता कक्ष में बुलाया गया।

अमेरिका की ओर से विदेश मंत्री मार्को रुबियो और विशेष दूत स्टीव विटकॉफ तथा रूस की ओर से विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव और विदेश नीति के सलाहकार यूरी उशाकोव ने अपनी भागदारी दर्ज की। वार्ता के उपरान्त संयुक्त रूप से पत्रकारों के सम्मुख वक्तव्य दिया गया। ट्रंप ने कहा कि कोई समझौता तब तक नहीं होता, जब तक असल में समझौता नहीं हो जाता। अभी हम वहां तक नहीं पहुंचे जबकि व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि यूक्रेन में चल रहे संघर्ष को खत्म करने में रूस ईमानदारी से रुचि रखता है किन्तु किसी टिकाऊ समझौते के लिए संघर्ष के मूल कारणों को खत्म करना होगा। पश्चिमी देशों और यूक्रेन को चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि शांति प्रक्रिया में किसी तरह की बाधा या नुकसान न पहुंचाया जाये।

ट्रंप साफ़ तौर पर अपने देश की समृद्धि की परवाह करते हैं लेकिन समझते हैं कि रूस के अपने हित हैं। हमारे रिश्ते व्यवसायिक हैं। पुतिन के इस दावे पर ट्रंप ने अपनी सहमति व्यक्त की यानी अगली व्यवसायिक मुलाकात मास्को में हो सकती है। पत्रकारों के प्रश्नों का उत्तर दिये बिना ही संयुक्त वार्ता समाप्त कर दी गई जिसके संबंध में रूसी राष्ट्रपति के प्रेस सचिव दिमित्री पेस्कोव ने स्पष्ट किया कि व्यापक टिप्पणी करने के कारण सवाल नहीं लेने का निर्णय लिया गया था।

संयुक्त रूप से व्यापक बयान दिए गए थे। बातचीत वाश्तव में बहुत अच्छी रही। इस तरह की बातचीत से मिलकर शांति का रास्ता तलाशने की दिशा में ठोस कदम बढ़ाए जा सकते हैं। इस घटना क्रम को समूची दुनिया केवल और केवल रूस-यूक्रेन युद्ध विराम के प्रयासों के रूप में ही देख रही है जबकि सूत्रों की मानें तो यह वास्तव में ट्रंप की एक षडयंत्रकारी योजना का महात्वपूर्ण अंग है जिसे शान्ति वार्ता के रूप में प्रचारित किया गया। एक ऐसी वार्ता जिसमें दूसरे पक्ष यानी यूक्रेन की भागीदारी आवश्यक भी नहीं समझी गई। वहां के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की या उनके किसी प्रतिनिधि को शामिल नहीं किया गया।

जबकि चर्चा का मुख्य विषय यूक्रेन युद्ध ही घोषित था। तीन घंटे तक चले संवाद और विदेश मंत्रालयों की भागीदारी से यह स्पष्ट कर दिया है कि किसमें केवल युद्ध विराम के मसला पर ही विचार-विमर्श नहीं हुआ बल्कि दुनिया की पूरी ठेकेदारी एक साथ मिलकर करने की गुप्त योजना पर भी चर्चा हुई। तभी तो पुतिन ने अपने वक्तव्य में स्पष्ट रूप से संकेत दिये कि रूस और अमेरिका के संबंध व्यवसायिकता पर ही केन्द्रित हैं।

यानी अमेरिका अपने टैरिफ बम से रूस को सीधा नुकसान पहुंचाने का प्रयास कर रहा है जबकि रूस अपने मित्रों के साथ तेल निर्यात सहित अन्य संसाधनों के आदान-प्रदान करके अपनी मजबूती को नये आयाम देने में जुटा है। दोनों राष्ट्राध्यक्षों ने अपने एकान्त संवाद में निश्चय ही संसार के वर्तमान परिदृश्य की समीक्षा की होगी।

अपने-अपने हितों को साधते हुए विश्व मंच पर स्वयं की छवि उज्ज्वल करने की नीतियां बताई होंगी। आपसी सहयोग के बिन्दुओं को तलाशा होगा किन्तु अविश्वास के धरातल पर खडे अमेरिका कि स्वार्थपरिता के कारण ही निर्णायक स्थिति आकार नहीं ले सकी होगी। ऐसे में पत्रकारों के सामने चन्द शब्द बोलकर ट्रंप सहित पुतिन ने भी उस अध्याय को आगे बढ़ा दिया। यथार्थ तो यह है कि विश्व का चौधरी बनने की चाह में ट्रंप ने एक बार फिर अपनी घातक चाल चली ताकि रूस के साथ संतुलन बनाते हुए भारत के विशालतम बाजार पर कब्जा किया जा सके। भारत की दम पर राष्ट्रपति बनने वाले अहसानफरामोश ट्रंप का स्वार्थी चेहरा अब बेनकाब हो चुका है। समूची दुनिया को अपने सामने झुकाने का मंसूबा पालने वाले अमेरिका की वर्तमान नीतियां उसी के लिए घातक होतीं जा रहीं हैं। अमेरिका का पाकिस्तान की गलबहियां करते ही चीन ने भारत के साथ नजदीकियां बढाना शुरू कर दीं।

उल्लेखनीय है कि अलास्का में बैठक के लिए जाते समय अमेरिकी एयर फोर्स वन से फाक्स न्यूज को दिए साक्षात्कार में डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को रेखांकित करते हुए कहा था कि असल में उन्होंने एक ऑयल क्लाइंट खो दिया है यानी भारत, जो लगभग 40 प्रतिशत तेल ले रहा था। चीन, जैसा कि आप जानते हैं, काफी मात्रा में ले रहा है। और अगर मैंने सेकेंडरी सेक्शन्स लगाए तो यह उनकी दृष्टि से बेहद विनाशकारी होगा। अगर मुझे करना पड़ा तो मैं करूंगा, शायद मुझे ऐसा न करना पड़े।

वहीं अलास्का में रूस के राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात के बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि उन्हें अभी रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर जवाबी टैरिफ लगाने के बारे में नहीं सोचना पड़ेगा, लेकिन उन्हें दो या तीन सप्ताह में सोचना पड़ सकता है। इस तरह के नहीं सोचना पडेगा, सोचना पडेगा, जैसे अस्पष्ट बयानों से ट्रंप का मानसिक दिवालियापन एक बार फिर संसार के सामने आया। समूची दुनिया में इस मुलाकात को भले ही रूस-यूक्रेन युद्ध के शान्तिपूर्ण हल की दिशा में मील का पत्थर माना जा रहा हो परन्तु ट्रंप के षडयंत्र का एक अंग था अलास्का संवाद जिसके प्रति विश्व को अभी से सचेत होने की आवश्यकता है अन्यथा आने वाले समय में अमेरिका के कारण मानवता को तीसरे विश्वयुद्ध की विभीषिका झेलना पड सकती है। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नई आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

क्या आरएसएस के मुखिया मन की बात कहते हैं?

राम पुनियानी

आगामी 2 अक्टूबर 2025 से आरएसएस का शताब्दी वर्ष शुरू होगा। इसे मनाने के लिए संघ ने कई कार्यक्रमों के आयोजन की योजना बनाई है। इनमें से एक है तीन व्याख्यानों की एक श्रृंखला जो 26, 27 और 28 अगशत को दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित है। इसके बाद तीन-दिन की इस श्रृंखला का आयोजन मुंबई, बेंगलुरू और कोलकाता में होगा।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने दिल्ली के विज्ञान भवन में सन 2018 में तीन व्याख्यान दिए थे। इस बार अंतर यह है कि यह आयोजन देश के चार प्रमुख नगरों में किया जा रहा है। तीसरे व्याख्यान में प्रश्नोत्तर सत्र भी होगा और इनमें ऐसे बहुत से लोगों को आमंत्रित किया गया है जो संघ परिवार से संबद्ध नहीं हैं।

आमंत्रित जन 12 वर्गों के हैं। इनमें विदेशी दूतावासों के अधिकारी, बुद्धिजीवी और अन्य राजनैतिक दलों के नेता शामिल हैं। विदेशी दूतावासों के कर्मियों में पाकिश्तान, बांग्लादेश और तुर्किये के दूतावासों के कर्मी शामिल नहीं हैं। जहां तक राजनैतिक दलों का सवाल है, गैर-भाजपा दलों के उन नेताओं के विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है जो मोदी सरकार के सुर में सुर मिला रहे हैं। यह शुरूआती प्रमुख कार्यक्रमों में से एक है। अन्य कार्यक्रमों में हिंदुओं का सम्मेलन आदि शामिल हैं।

हमे याद है कि भागवत द्वारा विज्ञान भवन में 2018 में दिए गए व्याख्यानों को कितनी महत्ता दी गई थी। उन्हें सुनकर कई नादान राजनैतिक समीक्षकों को यह लगने लगा था कि आरएसएस बदल रहा है।

आरएसएस के अंदरूनी मामलों की जानकारी रखने वाले और उससे जुड़े एक सज्जन की टिप्पणी थी कि आरएसएस ग्लासनोश्त की प्रक्रिया से गुजर रहा है। मगर ऐसा कुछ नहीं हुआ। उसके बाद का घटनाक्रम आरएसएस के एजेंडे के मुताबिक विघटनकारी कृत्यों ही भरा रहा। भागवत ने हिन्दू-मुस्लिम रिश्तों को बेहतर करने की वकालत करते हुए कहा था कि एक व्यक्ति सच्चा हिंदू नहीं हो सकता यदि वह कहता है कि मुसलमानों को भारत में नहीं रहना चाहिए। मॉब लिंचिंग में शामिल लोग हिन्दुत्व विरोधी हैं''। क्या इसके बाद मुसलमानों की लिंचिंग की घटनाएं रूक गईं? नहीं! वे पहले की तरह जारी रहीं। सन 2020 में उत्तर प्रदेश में शाहरुख़ सैफी और हरयाणा में लुकमान की लिंचिंग हुई। इसके अलावा मुसलमानों के घरों और दुकानों को तोड़ने के लिए बुलडोज़रों का इश्तेमाल हुआ।

ज्यादातर मुस्लिम विरोधी गतिविधियां बदश्तूर जारी रहीं क्योंकि उनके खिलाफ किया जाने वाला प्रोपेगेंडा संघ परिवार का मुख्य हथियार है। जब देश में कोविड-19 फैला तो इस त्रासदी का उपयोग भी मुसलमानों का और अधिक दानवीकरण करने के लिए किया गया और महामारी का ठीकरा दिल्ली में चल रहे तबलीगी जमात सम्मेलन पर फोड़ने की कोशिश की गई। कोरोना जेहाद, कोरोना बम जैसे शब्दों का इश्तेमाल किया जाने लगा और इसके साथ ही फेरी लगाकर सामान बेचने वाले मुसलमानों का हिन्दू बश्तियों में बहिष्कार किया गया। भागवत ने कहा था कि वह हिन्दू, हिन्दू नहीं है जो यह कहता है मुसलमानों को भारत में नहीं रहना चाहिए। सीएए, जिसने मुसलमानों को छोड़कर सभी के लिए भारत की नागरिकता हासिल करने का पिछला दरवाजा खोल दिया, के बाद राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर करने की भारी भरकम और कष्टदायी प्रक्रिया प्रारंभ की गई।

निडर मुस्लिम पुरूषों और महिलाओं ने इसके विरोध में शाहीन बाग आंदोलन शुरू किया। यह दुःखद है कि भाजपा के कपिल मिश्रा जैसे लोगों ने इसका विरोध किया, और इन लोगों ने खुलेआम धमकी दी कि यदि पुलिस ने इन्हें धरना स्थल से नहीं हटाया, तो वे यह काम करेंगे। इसके बाद दिल्ली में हुई हिंसा में 51 निर्दोष लोगों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा, जिनमें से दो तिहाई मुसलमान थे।

एक तरह से भागवत के नेतृत्व में संघ परिवार मुसलमानों के प्रति नफरत बढ़ाने वाले हर कदम का समर्थन कर रहा है। आखिर 2018 के व्याख्यान का लक्ष्य क्या था? यह साफ है कि वह न तो पेरोस्त्रोईका था और ना ही यह कयास सही था कि आरएसएस में बदलाव आ रहा है। सीधी सी बात यह है कि आरएसएस हिन्दू राष्ट्रवाद की राह पर चल रहा है। वह भले ही सैद्धांतिक तौर पर एम। एस। गोलवलकर के 'हिन्दू राष्ट्र के लिए तीन आंतरिक खतरों- मुसलमान, ईसाई और कम्युनिस्ट-वाले नजरिए को त्यागने की बात कह रहा हो, लेकिन हकीकत में वह उसी के अनुरूप काम कर रहा है। मुस्लिम समुदाय पिछले कई दशकों से भयभीत है और उसे हाशिए पर पटक दिए जाने का एहसास हो रहा है। यहां तक कि बुलंद आवाज में आरएसएस में बदलाव आने का दावा करने वाले सुधीन्द्र कुलकर्णी को भी मुसलमानों की दुर्दशा नजर आ रही थी। उन्होंने लिखा, ''साम्प्रदायिक दंगों में मुसलमानों की हजारों करोड़ की संपत्ति नष्ट हो रही है इसके बावजूद इन मामलों में ठीक से एफआईआर तक दर्ज नहीं होती। इसके अलावा हिंसा, लूटपाट और दुष्कर्मों के ज्यादातर दोषियों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं होती। इसके विपरीत, विरोध के अपने संवैधानिक अधिकारों का उपयोग करने वाले मुसलमानों को सख्त दंड भुगतना पड़ता है, पुलिस की गोलीबारी में जान गवांनी पड़ती है, बड़े पैमाने पर गिरफ्तार किया जाता है और सार्वजनिक संपत्ति की हानि की कीमत जुर्माने के रूप में चुकानी पड़ती है। कहां है इंसाफ?

जहां तक ईसाईयों की बात है, उन्हें ज्यादा नजर में न आने वाली हिंसा का सतत सामना करना पड़ता है क्योंकि यह कम तीव्र होती है और विभिन्न इलाकों में बिखरी हुई होती है। यह भी अत्यंत तेज गति से बढ़ रही है खासकर पिछले एक दशक के दौरान। एक बड़े ईसाई पंथ के प्रताड़ति नेता ने 2023 में कहा था, हर दिन गिरजाघरों और पॉस्टरों पर हमलों की चार या पांच घटनाएं होती हैं और हर रविवार को ये दोगुनी होकर दस के करीब हो जाती हैं-हमने ऐसा पहले कभी नहीं देखा। उनके अनुसार भारत में ईसाईयों को प्रताड़ति करने में प्रमुख भूमिका हिंदू उग्रपंथियों के संगठन संघ परिवार की है जिसमें प्रभावशाली अर्ध-सैन्य और रणनीतिक समूह आरएसएस, प्रमुख राजनैतिक दल भाजपा और हिंसक युवा संगठन बजरंग दल शामिल हैं।

जहाँ तक कम्युनिस्टों का सवाल है, हर मानवाधिकार कार्यकर्ता पर शहरी नक्सल का लेबल चस्पा किया जा रहा है। भीमा-कोरेगांव मामले में इनमें से कई को गिरफ्तार किया गया। अब महाराष्ट्र में महाराष्ट्र सरकार पीपल्स सिक्यूरिटी विधेयक पारित करने के तैयारी में हैं। इससे राज्य सरकार को उन सभी व्यक्तियों और संस्थाओं पर नज़र रखने, उनकी जांच करने और उनके खिलाफ कार्यवाही करने के अधिकार मिल जाएंगे जिन पर यह संदेह है कि वे प्रतिबंधित माओवादी संगठनों को बौद्धिक या आर्थिक सहायता उपलध करवा रहे हैं या उन्हें काम करने के लिए सुविधाएँ मुहैया कर रहे हैं।

ये सारी नीतियां और कानून, यह सारी हिंसा उस दुष्प्रचार का नतीजा है जो संघ अपनी शाखाओं में करता है। संघ के अनुषांगिक संगठन में इसमें मदद करते हैं। तो फिर 2018 में व्याख्यान क्यों दिए गए। और अब 2025 में फिर व्याख्यानों की श्रृंखला क्यों आयोजित की रही है? आरएसएस का एजेंडा एकदम साफ़ है और पिछले कुछ दशकों में इसे लागू करने की प्रक्रिया में तेजी आई है।

दरअसल, ये व्याख्यान आरएसएस के एजेंडा के नकारात्मक नतीजों की कड़वी गोली पर शक्कर की परत चढाने का प्रयास है। चूँकि संघ एक प्रजातान्त्रिक व्यवस्था में काम कर रहा है (भले की यह व्यवस्था केवल नाम के लिए प्रजातान्त्रिक हो) इसलिए उसे यह दिखावा करना की पड़ेगा कि हिन्दू राष्ट्र की उसकी अवधारणा, प्रजातंत्र से असंगत नहीं है। सन 2018 के व्याख्यानों के बाद हुए घटनाक्रम से साफ़ है कि आरएसएस अपने मुखिया के माध्यम से जो कहता है, वह अमल करने के लिया नहीं होता।

वह केवल संघ के आलोचकों को थोड़ी राहत देने के लिए होता है। यह भी हो सकता है कि अन्य पार्टियों के असंतुष्ट तत्वों को इन व्याख्यानों में आमंत्रित करने का उद्देश्य, ऑपरेशन कमल के नए संस्करण की तैयारी हो। शायद संघ अन्य पार्टियों के रुष्ट नेताओं को अपने शिविर में शामिल करना चाह रहा हो? जाहिर है कि हमें असलियत जानने के लिए कुछ समय इंतजार करना होगा।

लाल किले से श्रेष्ठ भारत का संकल्प

एस. सुनील

प्रधानमंत्री का भाषण पिछले 11 वर्षों में उनकी सरकार द्वारा किए गए कार्यों की निरंतरता और उसकी उपलब्धियां बताने वाला था। उन्होंने जो संकल्प जाहिर किए वह इसलिए संभव हो पाएगा क्योंकि पिछले 11 साल से निरंतर किए गए कार्यों की वजह से भारत की आधारभूत संरचना बहुत मजबूत हो गई है और अब भारत विकास और अपलब्धियों की दिशा में बड़ी छलांग लगाने के लिए तैयार है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ऐतिहासिक लाल किले की प्राचीर से लगातार 12वीं बार राष्ट्र को संबोधित किया। यह अपने आप में एक रिकॉर्ड है। लगातार 12 बार लाल किले से तिरंगा फहराने वाले अब वे देश के दूसरे प्रधानमंत्री बन गए हैं। प्रधानमंत्री ने लाल किले से देश और दुनिया के दूसरे देशों में रहने वाले भारतवंशियों को संबोधित करते हुए विकसित और श्रेष्ठ भारत के निर्माण का संकल्प जाहिर किया, जो न सिर्फ आत्मनिर्भर होगा, बल्कि इतना शक्तिशाली होगा, जिसकी ओर आंख उठा कर देखने की हिम्मत भी दुश्मन देश नहीं कर सकेंगे।

स्वतंत्रता दिवस की 79वीं वर्षगांठ के अवसर पर दिया गया प्रधानमंत्री का भाषण पिछले 11 वर्षों में उनकी सरकार द्वारा किए गए कार्यों की निरंतरता और उसकी उपलब्धियां बताने वाला था। उन्होंने जो संकल्प जाहिर किए वह इसलिए संभव हो पाएगा क्योंकि पिछले 11 साल से निरंतर किए गए कार्यों की वजह से भारत की आधारभूत संरचना बहुत मजबूत हो गई है और अब भारत विकास और अपलब्धियों की दिशा में बड़ी छलांग लगाने के लिए तैयार है। तभी प्रधानमंत्री ने ऊर्जा से लेकर राष्ट्र की सुरक्षा तक देश को आत्मनिर्भर बनाने की घोषणा की।

अंतरिक्ष में अपने स्पेस स्टेशन बनाने का ऐलान किया तो युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने की भी घोषणा की। भारत के खिलाफ छद्म युद्ध लड़ने वाले दुश्मन देश को भी चुनौती दी तो राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के सौ वर्ष पूरे होने के अवसर पर उसके कामकाज की तारीफ करके राष्ट्र निर्माण में इस महान संगठन के योगदान को रेखांकित किया। वश्तु व सेवा कर यानी जीएसटी के ढांचे में बदलाव की घोषणा करके देश के आम लोगों और कारोबारियों को बड़ी राहत का ऐलान भी प्रधानमंत्री ने किया। प्रधानमंत्री ने 103 मिनट के अपने भाषण में जो महत्वपूर्ण बातें कहीं उन पर बिंदुवार विचार करने से उसके महत्व का अंदाजा होता है। जीएसटीः सबसे पहले जीएसटी पर की गई प्रधानमंत्री की घोषणा को देखें। प्रधानमंत्री ने इस वर्ष दिवाली पर दोहरी खुशियों का वादा किया। इसका मतलब है कि सरकार बहुत बड़े बदलाव करने जा रही है। यह बदलाव जीएसटी के ढांचे में होगा और उसके कई स्लैब्स को बदलने वाला भी होगा। तभी आम लोगों को बड़ी राहत मिल पाएगी।

प्रधानमंत्री की इस घोषणा का अर्थ है कि जीएसटी के आठ साल पूरे होने पर सरकार ने इसके गुणदोष का विश्लेषण किया है। तभी सच्चे अर्थों में 'एक देश, एक टैक्स' के सिद्धांत को लागू करने के लिए टैक्स स्लैब कम करने की चर्चा हुई है। बताया जा रहा है कि 12 प्रतिशत टैक्स का स्लैब समाप्त कर करके इसके दायरे में आने वाली 99 फीसदी वश्तुओं व सेवाओं को पांच प्रतिशत के स्लैब में शामिल किया जाएगा।

इसकी एक फीसदी वश्तुओं और सेवाओं को 18 फीसदी के स्लैब में ले जाया लाया जाएगा और साथ ही 28 फीसदी का स्लैब भी समाप्त करके उसकी 90 फीसदी वश्तुओं और सेवाओं को 18 फीसदी के खांचे में डाला जाएगा। इसके अलावा विलासिता की वश्तुओं के लिए एक 40 फीसदी का स्लैब अलग बनाया जाएगा। अभी इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। परंतु प्रधानमंत्री ने जो ऐलान किया है उससे स्पष्ट है कि जीएसटी के ढांचे में बदलाव होने जा रहा है, जिसका बड़ा लाभ आम लोगों को मिलेगा।

अपने इसी शतंभ में 'सिर्फ मोदी है तो ही मुमकिन है' शीर्षक से सात जुलाई 2024 को लिखे लेख में हमने आयकर छूट की सीमा बढा कर 12 लाख रुपए सालाना करने का निवेदन किया था, जिसे स्वीकार कर लिया गया। उसी आलेख में जीएसटी का सिर्फ एक स्लैब बनाने का निवेदन भी किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस वर्ष लाल किले से जीएसटी के ढांचे में बदलाव की घोषणा की है तो एक बार फिर वही निवेदन है। 'गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स' यानी जीएसटी का सही नाम 'सेल्स एंड सर्विसेज टैक्स' होना चाहिए।

यह नाम सही मायने में इस विभाग के कामकाज को समग्रता में प्रदर्शित करेगा। जिस तरह से प्रधानमंत्री ने योजना आयोग का नाम नीति आयोग करके उसे ज्यादा सक्षम और समग्र बनाया उसी तरह यह बदलाव भी किया जा सकता है। उपरोक्त संदर्भ में यह निवेदन भी है कि कर की सिर्फ तीन दरें होनी चाहिए। आम जनता की रोजमर्रा की जरुरत की वश्तुओं के लिए कर की दर शून्य होनी चाहिए। इसके बाद एक दर 12 फीसदी की होनी चाहिए, जो इनपुट टैक्स क्रेडिट के योग्य हो और तंबाकू व मदिरा सहित विलासिता की वश्तुओं के ऊपर 50 फीसदी टैक्स होना चाहिए।

डेमोग्राफी मिशनः प्रधानमंत्री ने संभवतः पहली बार लाल किले से देश के सामने मौजूद एक बड़ी समस्या का जिक्र किया और उससे निपटने का उपाय की भी घोषणा की। देश के सामने घुसपैठियों का एक बड़ा संकट है। चूंकि भारत की सीमा ऐतिहासिक रूप से कई तरफ से खुली हुई है, जिससे घुसपैठिए भारत आते हैं और उनकी बढ़ती आबादी की वजह से भारत की जनसंख्या संरचना बिगड़ रही है। इसे ठीक करने के लिए प्रधानमंत्री ने एक उच्चाधिकार प्राप्त डेमोग्राफी मिशन शुरू करने की घोषणा की। यह मिशन घुसपैठियों की समस्या, उनकी वजह से भारत की जनसंख्या संरचना बदलने और सामाजिक शतरों पर हो रहे बदलाव का अध्ययन करेगा और इससे निपटने के उपाय सुझाएगा।

यह बड़ी पहल है, जो बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, असम सहित पूर्वी व पूर्वोत्तर के कई राज्यों को एक बड़ी समस्या से छुटकारा दिलाएगा। सुदर्शन चक्रः यह संयोग था कि इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस जन्माष्टमी से एक दिन पहले था। तभी प्रधानमंत्री ने देश की सुरक्षा के लिए सुदर्शन चक्र योजना की घोषणा की। उन्होंने लाल किले की प्राचीर से ऐलान किया कि भारत अपनी सुरक्षा के लिए अपना सुदर्शन चक्र विकसित करेगा। यह हर तरह के हमले से भारत की रक्षा करेगा। यह भारत का अपना 'आयरन डोम' होगा, जो किसी भी मिसाइल हमले को नाकाम करेगा।

इससे भारत के सैन्य व सामरिक रूप से महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों के साथ साथ उन तमाम संरचनाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी, जो लोक सेवा से जुड़ी हैं। इनमें सरकारी प्रतिष्ठानों के साथ साथ अस्पताल और स्कूल, कॉलेज भी शामिल हैं। अगली पीढ़ी के आर्थिक सुधारः भारत में कई सेक्टर ऐसे हैं, जिनमें सुधारों की बड़ी आवश्यकता है। श्रम सुधारों से लेकर कृषि सेक्टर व औद्योगिक सेक्टर में बड़े सुधारों की आवश्यकता है तो साथ ही वित्तीय व आर्थिक क्षेत्र में भी सुधार अति आवश्यक हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार पिछले 11 वर्ष से लगातार सुधार कर रही है। पिछले वर्ष आयकर सुधार किया गया और संसद के मानसून सत्र में नया आयकर कानून पारित हुआ। इस वर्ष लाल किले से प्रधानमंत्री ने जीएसटी में सुधारों का ऐलान किया है। इसके साथ ही उन्होंने अगली पीढ़ी के सुधारों का ऐलान भी किया है। ये सुधार विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में भारत की गति को तेज करेंगे।

स्पेस और सेमीकंडक्टरः स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री ने लाल किले से दो सेक्टर में भारत को श्रेष्ठ बनाने और दुनिया के सामने एक मिसाल के तौर पर पेश करने का ऐलान किया। ये दो सेक्टर हैं स्पेस और सेमीकंडक्टर। यह संयोग नहीं है कि स्वंतत्रता दिवस से ठीक पहले हुई कैबिनेट की बैठक में चार सेमीकंडक्टर प्लांट लगाने को मंजूरी दी गई।

भारत सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में एक बड़ी ताकत बन रहा है और प्रधानमंत्री ने ऐलान किया है कि इसी साल भारत का पहला स्वदेशी चिप बाजार में आ जाएगा। कांग्रेस की सरकारों ने आज से छह दशक पहले सेमीकंडक्टर की फैक्टरी लगने की संभावना को समाप्त कर दिया था। आज भारत उस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने 2035 तक अपना स्पेस स्टेशन बनाने की महत्वाकांक्षी योजना का ऐलान किया।

पाकिश्तान को संदेशः प्रधानमंत्री ने पाकिश्तान का नाम लिए बगैर उसे यह संदेश दिया कि अब भारत आतंकवादियों और उनको मदद करने वालों को अलग अलग करके नहीं देखेगा। इसका अर्थ है कि आतंकवादियों की मदद करने वालों के साथ वही बरताव होगा, जो आतंकवादियों के साथ होता है। पिछले कुछ दिनों से पाकिश्तान के नेता सिंधु जल संधि निलंबित किए जाने पर मिसाइल हमले की गीदड़भभकी दे रहे थे। उन्हें कड़ा संदेश देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पानी और खून एक साथ नहीं बह सकता है। इसका मतलब है कि सिंधु जल संधि स्थगित करेगी।

विकसित भारत रोजगार योजनाः प्रधानमंत्री ने देश के युवाओं के लिए उम्मीदों की एक बड़ी योजना को स्वतंत्रता दिवस के दिन से ही लागू करने का ऐलान किया। विकसित भारत रोजगार योजना के तहत सरकार एक लाख करोड़ रुपए खर्च करेगी। निजी कंपनियों को इसके जरिए प्रोत्साहित किया जाएगा कि वे देश के युवाओं के लिए ज्यादा से ज्यादा रोजगार के अवसर पैदा करें। इस योजना के तहत किसी भी युवा को मिलने वाली पहली नौकरी पर 15 हजार रुपए अलग से दिए जाएंगे। रोजगार तलाश रहे देश के लाखों युवाओं को इस योजना का लाभ प्राप्त होगा। इसके अलावा सरकार रोजगार देने वाली कंपनियों को भी प्रोत्साहन राशि देगी।

ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरताः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने का ऐलान किया। ध्यान रहे भारत अपनी ऊर्जा जरुरतों के लिए, खास कर तेल की जरुरतों को पूरा करने के लिए दुनिया के दूसरे देशों से आयात पर निर्भर है। यह निर्भरता कम करना सरकार की प्राथमिकता है। इसके लिए प्रधानमंत्री ने परमाणु ऊर्जा संयंत्रों को बढ़ावा देने की घोषणा की तो साथ ही 'समुद्र मंथन' अभियान का भी ऐलान किया। इसके तहत सरकार समुद्र मंथन करके तेल और गैस के भंडार खोजेगी और उन्हें उत्खनन के लिए विकसित करेगी।

लाल किले से राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ की स्थापना के एक सौ वर्ष पूरे होने का जिक्र किया और इसके कामकाज की जम कर प्रशंसा की। उन्होंने इसे दुनिया का सबसे बड़ा गैर सरकारी संगठन बताते हुए कहा कि व्यक्ति से लेकर राष्ट्र निर्माण तक इस संस्था का योगदान अतुलनीय है।

प्रधानमंत्री ने जब व्यक्ति निर्माण की बात कही तो निश्चित रूप से उन्होंने स्वंय को भी इसमें सम्मिलित किया। एक संपूर्ण व्यक्ति और महान राजनेता के रूप में उनको गढ़ने में संघ की जो भूमिका रही है उन्होंने उसको रेखांकित किया। इस वर्ष विजयादशमी के दिन संघ की स्थापना के सौ वर्ष पूरे होंगे। सौ वर्ष पुराना यह संगठन समय के साथ और सशक्त होगा और भारत के गौरवशाली इतिहास की पुनर्स्थापना में अपना योगदान देता रहेगा।

दमन, उत्पीड़न व अत्याचार के विरुद्ध एकजुटता का सन्देश देता 'अरबईन मार्च'

तनवीर जाफ़री

'अरबईन' अरबी भाषा का शब्द है जिसका अर्थ होता है चालीस (40)। चूँकि इस्लाम धर्म में में किसी व्यक्ति की मृत्यु के 40 दिन बाद उसकी याद में शोक आयोजन यानी 'चालीसवां' मनाये जाने की परंपरा है इसलिये हज़रत अली के पुत्र व पैग़ंबर मुहम्मद के नवासे इमाम हज़रत इमाम हुसैन व उनके परिजनों की शहादत के चालीसवें के दौरान इराक़ में 'अरबईन मार्च' आयोजित किया जाता है।'

अरबईन मार्च' इराक़ में ही शुरू हुआ था क्योंकि करबला इराक़ में स्थित है और हज़रत इमाम हुसैन की शहादत करबला में ही हुई थी। इस मार्च में भाग लेने के लिये धर्म व जाति की सीमाओं से ऊपर उठकर दुनिया के सौ से अधिक देशों के करोड़ों लोग हज़रत इमाम हुसैन के रौज़े पर हाज़री लगाने इराक़ के करबला शहर पहुँचते हैं।

वैसे तो अरबईन मार्च का इतिहास सदियों पुराना है। इसकी शुरुआत 680 ईस्वी (61 हिजरी) में पैग़ंबर हज़रत मुहम्मद के एक साथी जाबिर इब्न अब्दुल्लाह अल-अंसारी ने की थी। जाबिर ने आशूरा (दस मुहर्रम) के 40 दिन बाद करबला जाकर इमाम हुसैन की क़ब्र पर पहली ज़ियारत पढ़ी और करबला में 'अरबईन' यानी हज़रत इमाम हुसैन का 'चालीसवां' मनाने की परंपरा की शुरुआत की। धीरे धीरे यहाँ पहुँचने वाले श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ती गयी।

परन्तु सद्दाम हुसैन ने अपने शासनकाल में 'अरबईन मार्च' को प्रतिबंधित कर दिया था। 1979-2003 के मध्य सद्दाम के शासनकाल में यह मार्च पूरी तरह प्रतिबंधित रहा परन्तु जैसे ही 2003 में सद्दाम की सत्ता का पतन हुआ उसी समय यानी 2003 के अरबईन मार्च में ही पूरी दुनिया से लाखों श्रद्धालु करबला की ओर निकल पड़े।

आज स्थिति यह है कि पड़ोसी देशों के श्रद्धालु हज़ारों किलोमीटर तक का सफ़र पैदल तय कर करबला पहुँचते हैं। जबकि मुख्य मार्च हज़रत अली के रोज़े नजफ़ से शुरू होकर 80 किलोमीटर दूर स्थित करबला में इमाम हुसैन के रौज़े के मध्य होता है। आज इसे दुनिया का सबसे बड़ा वार्षिक मानव समागम माना जाता है, जिसमें करोड़ों लोग पैदल चलकर भाग लेते हैं। इस बार 'अरबईन मार्च' का समापन गत 15 अगशत को हुआ जिसमें रिकार्ड लगभग सवा दो करोड़ लोगों ने शिरकत की। यह मार्च पश्चिमी मीडिया की बेरुख़ी के बावजूद अपनी अनेक विशेषताओं के लिये पूरे विश्व का ध्यान आकर्षित करता है। जिस हुसैन व उनके परिवार के लोगों को करबला में तीन दिनों तक भूखा प्यासा रहने को मजबूर किया गया और इसी भूख प्यास की शिद्दत के आलम में क्रूर सीरियाई शासक यज़ीद की सेना द्वारा उन्हें क़त्ल किया गया उसी हुसैन के रौज़े पर आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं को 'अरबईन मार्च' के पूरे मार्ग पर दुनिया का सबसे मंहगा, शुद्ध व स्वादिष्ट व्यंजन परोसा जाता है। करोड़ों लोगों के हर मर्ज़ की दवा इलाज, उनके लिये हर तरह के आराम की सारी सुविधायें सब कुछ मुफ़्त उपलब्ध कराई जाती हैं।

और सबसे बड़ी बात यह कि इस मार्च पर अलक़ायदा व आई एस व दाईश जैसे आतंकी संगठनों की कुदृष्टि होने के बावजूद अभी तक इस मार्च में कभी कोई अनहोनी या दुर्घटना का समाचार नहीं मिला।

ख़बर है कि इस बार भी इराक़ी सुरक्षा बलों ने अरबईन तीर्थयात्रियों को निशाना बनाने की साज़िश रचने वाले एक आतंकी सेल का पर्दाफ़ाश किया है।करबला के गवर्नर नासिफ़ जसीम अल-ख़त्ताबी के मुताबिक़ एक ख़ुफ़ियि ऑपरेशन के दौरान 7 अगशत, 2025 को 22 आतंकवादियों को गिरफ़्तार किया गया। ये आतंकवादी दाइश (ISIS) से जुड़े थे और अरबईन मार्च के दौरान श्रद्धालुओं पर हमला करने की साज़िश रच रहे थे। उनकी योजना हज़रत इमाम हुसैन की याद में होने वाली मजलिसों, पैदल मार्च व सुरक्षा अधिकारियों को निशाना बनाने की तो थी ही साथ ही वे किसी बहाने श्रद्धालुओं को ज़हर देने की साज़िश भी रच रहे थे।

इस पूरी यात्रा के दौरान पूरे वर्ष नजफ़, करबला अथवा किसी भी तीर्थस्थल पर कहीं भी फूल मालाएं अर्पित नहीं की जातीं। कहीं धूप अगरबत्ती या मोमबत्ती दिया बाती कुछ भी नहीं जलाई जाती। कहीं भी कलावा, मौली, चंदा पर्ची रसीद आदि का कोई फंडा नहीं है। कहीं गुल्लक या दान पेटी रखी नज़र नहीं आएगी। बस हर व्यक्ति शहीद ए करबला की याद में आँखों में श्रद्धा के आंसू लिये सीने पर हाथ रखे, या हुसैन और लब्बैक या हुसैन कहता हुआ करबला की ओर बढ़ता दिखाई देता है। दरअसल अरबईन मार्च को पूरे विश्व में उदारता और आतिथ्य के प्रतीक के रूप में देखा जाता है।

यह यात्रा केवल धार्मिक नहीं बल्कि सामाजिक और राजनीतिक महत्व भी रखती है, जो अन्याय के ख़िलाफ़ दुनिया को एकजुट होकर खड़े होने की प्रेरणा देती है। यही वजह है कि हज़रत इमाम हुसैन को सार्वभौमिक प्रतीक के रूप में माना जाता है। अब इस मार्च में केवल शिया या मुस्लिम लोग ही शरीक नहीं होते बल्कि प्रत्येक वर्ष इसमें बड़ी संख्या में अंतरधार्मिक भागीदारी बढ़ती ही जा रही है।

इसीलिये इस यात्रा में सुन्नी, ईसाई, यहूदी, हिंदू, सिख, यज़ीदी, क़ुर्द और ज़ोरोस्ट्रियन आदि सभी समुदायों के लोग पूरी श्रद्धा से शामिल होते हैं। यह हज़रत इमाम हुसैन की शहादत से मिलने वाली प्रेरणा ही थी जिसने पिछले दिनों ईरान को अमेरिका व इस्राईल जैसे सशक्त परन्तु अत्याचारी शासन के विरुद्ध साहस से मुक़ाबला करने का हौसला दिया। 2014 में भी इराक़ के प्रमुख शिया धर्मगुरु आयतुल्लाह अली सिश्तानी ने आतंकवादी संगठन आईएसआईएस (इस्लामिक स्टेट) की बढ़ती हिंसा और आतंक के जवाब में उसके विरुद्ध जिहाद का फ़तवा जारी किया था।

आईएस ने न केवल शिया समुदाय बल्कि सुन्नी, ईसाई, यज़ीदी और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों को भी निशाना बनाया था। बर्बर आईएस के लड़ाके सामूहिक हत्याएं, बलात्कार, और सांस्कृतिक स्थलों का विनाश करते हुये व्यापक आतंक मचा रहे थे और कई महत्वपूर्ण तीर्थस्थलों को भरी क्षति पहुंचे थी। इस फतवे के परिणामस्वरूप, हज़ारों स्वयंसेवकों ने हश्द अल-शाबी (पॉपुलर मोबिलाइज़ेशन फ़ोर्सेज़, पीएमएफ) नामक अर्धसैनिक बल का गठन किया और इराक़ी सेना के साथ मिलकर आईएसआईएस के ख़िलाफ़ निर्णायक लड़ाई लड़ते हुये इराक़ व सीरिया को आईएसआईएस से मुक्त कराया। यह भी उसी हुसैन और करबला से मिलने वाली शिक्षा व प्रेरणा की ही देन थी। दरअसल हज़रत इमाम हुसैन की शहादत, दमन उत्पीड़न व अत्याचार के ख़िलाफ़ कड़े प्रतिरोध का वैश्विक प्रतीक है। चाहे वह उस दौर का क्रूर शासक यज़ीद हो या आज के दौर को कोई 'यज़ीद'। रहती दुनिया तक करबला की दाश्तान और शहादत ए हुसैन ज़ुल्म के ख़िलाफ़ मानवता को एकजुट होने तथा त्याग व बलिदान का सन्देश देती रहेगी।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com **ई-मेल**: todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI**-UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

अधर्म के रास्ते से बेहतर मौत, इमाम ने दिया था पैगाम

सफीपुर (उन्नाव), एजेंसी। करबला में 71 साथियों समेत शहीद मोहम्मद साहब के नवासे इमाम हुसैन के चेहल्लुम के मौके पर मजलिस का आयोजन किया गया। साथ ही जुलूस निकाल ताजिए करबला में सुपुर्द-ए-खाक किए गए।

कस्बे के मोहल्ला हाताबाजार स्थित महमूद अहसन के इमामबाड़े में आयोजित मजलिस को संबोधित करते मौलाना वकार रिजवी ने कहा कि इमाम ने शहादत देकर इतना बड़ा पैगाम दिया कि अधर्म के मार्ग पर चलने से बेहतर मौत है। इमाम हुसैन शहीद होकर भी जिंदा है और अधर्मी शासक यजीद का नाम लेने वाला तक कोई नहीं है। मजलिस के बाद विभिन्न शहरों से आए शायर शाहनवाज खान, डॉ. नायाव, नवाब, इफहाम व मोहान के अजहर ने भी शहीदों की शान में नौहे पढ़े।

संचालन जाहिद काजमी ने किया। मजलिस के बाद अंजुमन इमामिया ने ताजिए का जुलूस उठाया, जिसे कस्बे के विभिन्न रास्तों से गुजार कर करबला पहुंचाया गया। जहां ताजिए सुपुर्द-ए-खाक किए गए। आयोजक गुफरान अली व सैफी ने प्रसाद बांटा। इसी तरह ब्लाक मियागंज में इमाम हुसैन सहित 72 शहीदों के चेहल्लुम के मौके पर ताजिए जुलूस उठाकर करबला तक ले जाए गए।

जुलूस के दौरान अंजुमन के सदस्यों ने नौहे पढ़ते हुए मातम किया। जुलूस विभिन्न मोहल्लों से गुजरकर रात करीब आठ बजे गांव के बाहर करबला पहुंचा, जहां ताजिए दफन किए गए। इस मौके पर हाफिज गुलाम शहीद, शरीफ आलम, मईनुद्दीन, रियाज, मकसूद, तालिब हुसैन, यादगार, आकिल खान, मुजीब खान आदि मौजूद रहे।

धुआं फैलने से एक किमी में रहने वालों को सांस लेने में हुई परेशानी

उन्नाव। फैक्टरी में आग लगने के बाद प्लास्टिक जलने से धुआं का गुबार फैलने से एक किमी दायरे में रहने वाले लोगों को सांस लेने में दिक्कत हुई। हालांकि किसी को इतनी दिक्कत नहीं हुई कि उसे अस्पताल में भर्ती कराया जाए। भवन ढहने से नीचे खड़ी एक कार भी छतिग्रस्त हो गई। घटना में सिलिंडर फटने का अनुमान है। हालांकि सीएफओ ने आग ठंडी होने के बाद गहनता से जांच कराने की बात कही है।

शुक्रवार रात एक बजे फैक्टरी में आग लगने के बाद जैसे-जैसे धुएं की रफ्तार तेज हुई और वह आसपास रहने वाले लोगों के घरों तक पहुंचा तो उन्हें सांस लेने में तकलीफ हुई। यह देख सभी घबरा गए। घर के बाहर निकल कर देखा तो आनन-फानन दरवाजे खिड़की बंद कर लिए। साथ ही गमछे या अन्य कपड़े से चेहरे को ढक लिया, ताकि अधिक परेशानी न हो। जिला अस्पताल के डॉक्टर शोभित अग्निहोत्री की माने तो प्लास्टिक के जलने का धुआं अगर मनुष्य के श्वसन नली तक पहुंच जाए तो उसे सांस लेने में तकलीफ होने के साथ उसका हार्मोनल असंतुलन हो सकता है। साथ ही कैंसर का खतरा रहता है। उधर फैक्टरी की ईंटे टूट कर गिरने से मौजूद फायर की गाड़ियों का भी आंशिक नुकसान हुआ है। अधिकारियों को सिलिंडर फटने का भी अनुमान है। यहां दो गैस सिलिंडर तो सुरक्षित निकाले गए, लेकिन कुल कितने रखे थे इसकी पुष्टि अभी नहीं हुई है। मलबा हटाने में जेसीबी की मदद लेनी पड़ी।

सुर्खियों में बने रहने के लिए ऐसे बयान देते हैं अखिलेश यादव

गंजमुरादाबाद। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर हुए गड्ढों पर ट्वीट के बाद बांगरमऊ विधायक श्रीकांत कटियार ने पलटवार करते हुए कहा कि सुर्खियों में बने रहने के लिए सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ऐसे बयान देते हैं। मालूम हो कि दो दिन पहले सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे के कुछ स्थानों पर गड्ढे हो जाने के एक वीडियो पर ट्वीट करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा कि भाजपा राज में लखनऊ- आगरा एक्सप्रेसवे पूरी तरह से उपेक्षित किया जा रहा है।

अयोध्या और काशी के बाद अब अब सीएम योगी का फोकस मथुरा पर, आठ वर्षों में 38 बार पहुंचे कृष्ण नगरी

लखनऊ , एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पिछले आठ वर्षों में 38 बार भगवान कृष्ण की नगरी मथुरा का दौरा कर यह स्पष्ट कर दिया है कि काशी, अयोध्या के बाद अब उनका मथुरा पर फोकस है। सर्वाधिक बार मथुरा आने का यह रिकॉर्ड सनातन आस्था के प्रति उनकी सरकार के गहरे सम्मान और समर्पण को दर्शाता है। काशी और अयोध्या की तरह ही अब मथुरा भी योगी सरकार के विकास के केंद्र में आ गया है।

सीएम योगी ने अपने कार्यकाल में काशी का 160, अयोध्या का 85 और अब मथुरा का 38 बार दौरा किया है। यह आंकड़ा बताता है कि सत्ता में आने के बाद धार्मिक स्थानों वाले शहरों की तरफ उनका ज्यादा फोकस है। काशी विश्वनाथ धाम और अयोध्या में भव्य राम मंदिर के निर्माण के बाद अब कृष्ण नगरी के विकास पर उनका पूरा ध्यान है। इससे यह प्रतीत होता है कि योगी सरकार तीनों प्रमुख धार्मिक नगरी विश्व पटल पर स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मुख्यमंत्री के लगातार दौरों का सीधा असर मथुरा के धार्मिक पर्यटन पर दिख रहा है। सांस्कृतिक विरासत को सहेजने के साथ-साथ आधुनिक विकास पर भी जोर दिया जा रहा है। ब्रज क्षेत्र में करोड़ों रुपये के विकास कार्य कराए जा रहे हैं। सड़कों का सुदृढ़ीकरण, तीर्थ स्थलों का सौंदर्यीकरण और आधुनिक सुविधाओं का विकास, इस प्रक्रिया का हिस्सा हैं।

सांस्कृतिक विरासत और आधुनिकता का संगम

योगी सरकार का मानना है कि विकास की दौड़ में सांस्कृतिक विरासत को पीछे नहीं छोड़ना चाहिए। मथुरा में हो रहे विकास कार्य इसी सोच का प्रतिबिंब हैं। यहां एक ओर प्राचीन मंदिरों और घाटों का जीर्णोद्धार हो रहा है, तो वहीं दूसरी ओर कनेक्टिविटी, स्वच्छता और अन्य आधुनिक सुविधाओं पर भी पूरा ध्यान दिया जा रहा है। यह संगम न केवल पर्यटकों को आकर्षित कर रहा है, बल्कि स्थानीय लोगों में भी संस्कृति के प्रति गौरव की भावना बढ़ रही है। योगी सरकार का उद्देश्य केवल आधुनिक विकास करना नहीं है, बल्कि ब्रज की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को सहेजते हुए विकास करना है।

दो रिहायशी झोपड़ी में शॉर्ट सर्किट से लगी आग, लाखों का सामान जलकर राख

देवरिया , एजेंसी। थाना क्षेत्र के अहिरौली में आधी रात में दो लोगों के रिहायशी झोपड़ी में बिजली की शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। आग इतनी विकराल थी कि दो बाइक पांच साइकिल और गृहस्थी सारा समान जलाकर राख कर दिया। दो लाख नगद जलने की बात भी बताया जा रहा है।

थाना क्षेत्र के अहिरौली निवासी रामचंद्र और लखीचंद दोनों भाई है। बघौचघाट कस्बे में फल और सब्जी की दुकान चलाते हैं।दोनो भाई दुकान बंद कर नगद रुपया सहित घर गए और खाना खा कर सोने चले गए। आधी रात में उनकी रिहायशी झोपडी में बिजली की शॉर्ट सर्किट से आग लग गई और देखते देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया।

गांव में जन्माष्टमी मना रहे ग्रामीण आग की सूचना पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने कड़ी मेहनत से आग पर काबू पाया। तबतक दोनों के घर में रखा गृहस्थी का सारा समान जलकर खाक हो गया। इसमें दो बाइक, पांच मोटरसाइकिल, सिलाई मशीन, लाखों रुपया नगद, कपड़े, जेवर सभी कुछ जल गया।

रात में कई बार लोगो ने अग्निशमन विभाग में फोन किया लेकिन कोई गाड़ी मौके पर नहीं पहुंची। स्थानीय पुलिस ने मौके का जायजा लिया। सुबह हल्का लेखपाल पहुंचकर आग में जले समान का आकलन किया।

हाईकोर्ट: पुलिस के तृतीय-चतुर्थ श्रेणी कर्मियों से वेतन वसूली के आदेश रद्द, आठ सप्ताह में वापस होगा कटा पैसा

लखनऊ , एजेंसी। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने पिछले 15-20 साल से पुलिस कर्मियों के गलत वेतन निर्धारण के मामले में अहम फैसला दिया है। कोर्ट ने ऐसे 53 मामलों में पुलिस के तृतीय, चतुर्थ श्रेणी कर्मियों से अधिक वेतन वसूली के आदेशों को रद्द कर दिया। साथ ही याचियों से अधिक वसूला गया वेतन या की गई कटौती अथवा समायोजित धनराशि, 8 हफ्ते में उन्हें वापस करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने 16 जनवरी 2007 के शासनादेश के तहत याची पुलिस कर्मियों का पक्ष सुनकर उनका वेतन निर्धारण करने का आदेश दिया है।

न्यायमूर्ति मनीष माथुर की एकल पीठ ने यह फैसला अमेठी जिले में बतौर पुलिस अनुवादक/ वरिष्ठ लिपिक पद पर तैनात इबरार अहमद व मदन जी शुक्ल समेत 53 पुलिस कर्मियों के गलत वेतन निर्धारण मामले में दाखिल याचिकाओं को मंजूर करके दिया।

याचिकाओं में याची पुलिस कर्मियों को कथित रूप से भुगतान किए गए अधिक वेतन की वसूली के आदेशों को चुनौती दी गई थी। याचियों का कहना था कि अधिक वेतन भुगतान के नाम पर इसकी वसूली के आदेश कानून की मंशा के खिलाफ हैं। क्योंकि, कानूनी प्रावधानों के तहत उनका वेतन निर्धारण ही शासनादेश के तहत नहीं किया गया।

कोर्ट ने मामले में पहले राज्य सरकार के वकील से पूछा था कि याचियों का गलत वेतन निर्धारण करने के जिम्मेदारों के खिलाफ क्या कोई अनुशासनात्मक कार्यवाही प्रस्तावित है? एक याची के अधिवक्ता पंकज पांडेय का कहना था कि वर्ष 2010 से याची का गलत वेतन निर्धारण किए जाने की कारण बताओं नोटिस उसे दी गई। इसका याची ने जवाब भी दे दिया।

इसके बावजूद याची को 2010 से मिले कथित अधिक वेतन की वसूली की प्रक्रिया में प्रतिमाह उसके वेतन से करीब छह हजार रुपए की कटौती की जाने लगी। इसपर, कोर्ट ने सरकारी वकील से खास तौर पर पूछा था कि पुलिस विभाग, कर्मियों को दिए जा रहे वेतन के गलत निर्धारण को ठीक से निर्धारित करने में एक से दो दशक से अधिक समय क्यों ले रहा है। कोर्ट ने इसी मामले में इस तथ्य के मद्देनजर मामले में पहले टिप्पणी की थी कि 15 - 20 साल से लगातार देखने में आ रहा है कि पुलिस कर्मी गलत वेतन निर्धारण के आदेशों को चुनौती दे रहे हैं। कोर्ट ने मामले की सुनवाई के बाद पुलिस विभाग को निर्देश देकर 53 याचिकाएं मंजूर कर लीं।

सबक याद न करने पर मौलवी ने पीटा तो किशोरी ने 11 माह के बच्चे को बेड में छिपाया, दम घुटने से मौत

बागपत , एजेंसी। छपरौली के टांडा गांव स्थित मदरसे में पढ़ने वाली किशोरी को मौलवी ने पीटा तो उसने मौलवी के रिश्तेदार के बेटे को बेड में छिपा दिया। दम घुटने से बच्चे की मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी किशोरी को हिरासत में ले लिया है। बताया गया कि मौलवी ने सबक याद न करने पर एक सप्ताह पहले किशोरी की पिटाई की थी। इससे क्षुब्ध होकर किशोरी ने मौलवी के रिश्तेदार शहजाद के 11 माह के बेटे दलहा को शनिवार को बेड में छिपा दिया। दम घुटने से दलहा की मौत हो गई। रविवार को मौलवी के कमरे में रखे बेड से बच्चे का शव बरामद किया गया। यह पूरी घटना मदरसे में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पुलिस किशोरी को पकड़कर थाने ले गई और सीसीटीवी कैमरे की फुटेज कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पूछताछ में किशोरी ने बताया कि मौलवी ने उसकी पिटाई कर दी थी। इसी बात से गुस्सा होकर उसने बच्चे को बेड में छिपा दिया था। पुलिस पूरी घटना की जांच पड़ताल में जुट गई है।

सपा से निष्कासित विधायक पूजा पाल ने की सीएम योगी से मुलाकात, राजनीतिक गलियारों में लगने लगे कयास

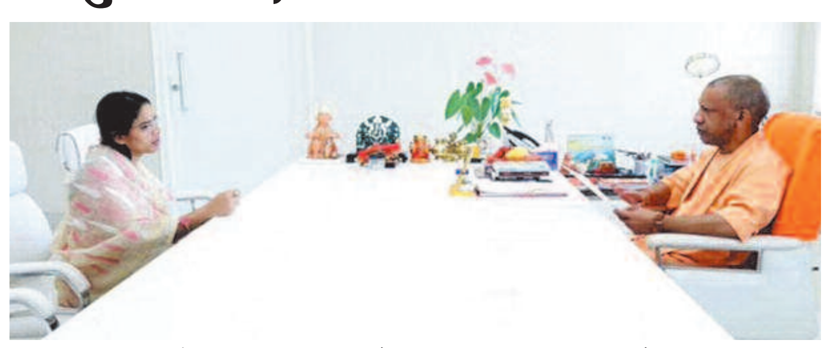

लखनऊ , एजेंसी। सपा की बागी और फिर बीते गुरुवार को निष्कासित की गई विधायक पूजा पाल ने शनिवार को सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की।

सपा से निकाले जाने के बाद यह सीएम के साथ उनकी पहली औपचारिक मुलाकात है। उनकी इस मुलाकात के बाद राजनीतिक मायने निकाले जाने शुरू हो गए हैं। मालूम हो कि पूजा पाल को बीते दिनों पार्टी से निकाल दिया गया था।

पूजा पाल ने की थी सीएम योगी की तारीफ : कौशांबी जिले की चायल विधानसभा सीट से समाजवादी पार्टी विधायक पूजा पाल को आखिरकार पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। पिछले साल राज्यसभा चुनाव में उन्होंने भाजपा के पक्ष में वोटिंग की थी। उस समय से अब तक उन पर कोई कार्रवाई नहीं की गई थी। विधायक और हाईकमान के बीच तल्खियां तो काफी दिन से चली आ रही थीं। लेकिन बृहस्पतिवार को जब विधायक पूजा पाल ने सदन में खुलकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफ की तो सपा अध्यक्ष ने निष्कासन पत्र भिजवा दिया।

उमेश पाल हत्याकांड के बाद बदलने लगा था पूजा का रुख: पूजा पाल 2022 के विधानसभा चुनाव में चायल सीट से सपा के टिकट पर विधायक बनी थीं। उमेश पाल हत्याकांड के बाद पूजा का रुख बदलने लगा। वह भाजपा के करीब होने लगीं। उनके आचरण और बयानों को लेकर पार्टी में असंतोष बढ़ रहा था।

सरायइनायत के सुदनीपुर में फिर पहुंचा तेंदुआ, किसान को दौड़ाया, बछड़े पर बोला हमला

प्रयागराज, एजेंसी। सरायइनायत थाना क्षेत्र के सुदनीपुर कला गांव में फिर तेंदुआ पहुंच गया है। रविवार की सुबह आदमखोर तेंदुआ देखा गया। गांव के एक किसान को दौड़ा लिया। किसी तरह से उसने भागकर जान बचाई। इसके बाद उसने हमला कर बछड़े को घायल कर दिया। घटना के बाद गांव में दहशत फैल गई है। सूचना पाकर वन विभाग के तमाम कर्मचारी पहुंच गए। सुदनीपुर कला गांव में एक सप्ताह के बाद दोबारा तेंदुआ देखा गया। शनिवार की रात में गांव के विमलेश दुबे के बछड़े पर हमला कर दिया। रविवार की सुबह शौच के लिए जा रहे राघव दुबे पर तेंदुए ने हमला कर दिया। इससे गांव में दशहत फैल गई है। तेंदुआ दहशत का पर्याय बन गया है। वह एक माह से वन विभाग को छका रहा है।

तमाम प्रयासों के बावजूद वह पकड़ में नहीं आ रहा है। कुछ दिन पहले तेंदुआ हनुमानगंज के मलखानपुर धनैचा गांव में देखा गया था। यहां पर वन विभाग की टीम ने कानपुर से आए ट्रैंकुलाइजर विशेषज्ञ के माध्यम से उसे खोजने का प्रयास किया, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। यहां पर उसने एक किसान राजेंद्र प्रसाद को हमला कर घायल कर दिया था। इसके बाद तेंदुआ पास के गांव सुदनीपुर कला में पहुंच गया। यहां सर्च अभियान चलने के बाद तेंदुआ सैदाबाद में पहुंच गया। वहां टीम गई तो तेंदुआ भागकर फिर सुदनीपुर कला में पहुंच गया है। वन विभाग की टीम सर्च अभियान चला रही है। तेंदुआ न पकड़े जाने के कारण ग्रामीणों में भय व्याप्त है। शाम को अंधेरा होते ही लोग घरों में दुबक जा रहे हैं। ज्यादा चिंता छोटे बच्चों और जानवरों की है। खूंखार तेंदुआ जानवरों पर हमला बोल रहा है।

फर्जी एसटीएफ बन सर्फ करोबारी का किया अपहरण

10 लाख की मांगी फिरौती, दो आरोपी गिरफ्तार

आगरा , एजेंसी। फर्जी एसटीएफ बनकर शुक्रवार की रात ट्रांस यमुना कॉलोनी, बजरंग नगर आगरा के सर्फ व्यापारी का अपहरण कर लिया गया। उनके परिवार से 10 लाख रुपये की मांग की गई। पत्नी की सूचना पर पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार कर इसका खुलासा किया। दो अन्य आरोपी फरार हैं, जिनकी तलाश की जा रही है। मैनपुरी के ग्राम बहसी थाना बरनाहल हाल निवासी टेढ़ी बगिया, बजरंग नगर, ट्रांस यमुना कॉलोनी, आगरा की पूजा पत्नी अनिल ने थाने पर तहरीर दी। उन्होंने पुलिस को बताया कि पति चाय और सर्फ का कारोबार करते हैं। शुक्रवार को दोपहर करीब 12 बजे व्यापार के सिलसिले में अपने दोस्त कमलानगर आगरा निवासी अभिषेक गुप्ता के साथ धौलपुर गए थे। शाम को फोन कर पत्नी को बताया कि उन्हें पुलिस ने पकड़ लिया है। 10 लाख लेकर धौलपुर आ जाओ, नहीं तो ये लोग मुझे जान से मार देंगे। डेढ़ लाख रुपये का इंतजाम कर पत्नी रिश्तेदार देवेंद्र के साथ धौलपुर के लिए निकली। उन्होंने बताया कि फोन पर कभी सैंया, कभी किरावली की आने की कहने लगे।

थाना प्रभारी किरावली ने बताया कि मुखबिर से मिली सूचना पर टीम गठित कर पुलिस ने लेदर पार्क, महुअर से दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों में मानवेंद्र निवासी गोकुल नगर, आगरा और दूसरा अभिषेक गुप्ता निवासी शिवनगर गंगागौरी बाग, बल्केश्वर आगरा हैं।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उनके दो साथी गिरीश कटारा और विपुल शर्मा फरार हो गए हैं। पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से नकली पिस्टल, एक मोबाइल फोन, और कार मिली है। पुलिस के मुताबिक आरोपियों के खिलाफ किरावली एवं एत्माद्दौला आगरा में केस दर्ज है।

हुक्का बार की आड़ में देह व्यापार; गोरखपुर में 14 आरोपियों पर लगा गैंगस्टर

गोरखपुर , एजेंसी। हुक्का बार की आड़ में देह व्यापार चलाने वाले 14 आरोपियों के खिलाफ शुक्रवार को रामगढ़ताल थाने में गैंगस्टर एक्ट में केस दर्ज किया गया। वहीं, शनिवार को रामगढ़ताल थाना पुलिस ने दो गैंगस्टर सहजनवां के शिवपुरी निवासी अजय सिंह और गीडा सेक्टर-22 निवासी विमल विश्वकर्मा को क्षेत्र से गिरफ्तार कर जेल भिजवा दिया।

आरोपी इंस्टाग्राम से नाबालिग लड़कियों को जाल में फंसाकर उन्हें ब्लैकमेल कर धंधा कराते थे। पुलिस की दो टीमें गैंग भाग रहे गुर्गो की तलाश में दबिश दे रही हैं। पुलिस का दावा है कि जल्द ही भाग रहे आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजेगी।

रामगढ़ताल इलाके की नाबालिग लड़की के साथ शाहपुर क्षेत्र के फ्लाई इन वन होटल के हुक्का बार में सामूहिक दुष्कर्म की घटना हुई थी। दो जनवरी 2025 को रामगढ़ताल थाने में सामूहिक दुष्कर्म का केस दर्ज किया गया था। इसके बाद नौ जनवरी को हुक्का बार में छापा पड़ा और बड़े पैमाने पर देह व्यापार की बात सामने आई।

रामगढ़ताल थाने में दर्ज सामूहिक दुष्कर्म के केस में पुलिस ने जांच शुरू की। तब कई बड़े नाम सामने आए और देह व्यापार करने वाले गिरोह का पर्दाफाश हुआ। इसके बाद बेतियाहाता और देवरिया की नाबालिग लड़कियां भी सामने आईं। उन्होंने भी शाहपुर थाने में दुष्कर्म का केस दर्ज कराया। इनके साथ भी हुक्का बार में दुष्कर्म किया गया था। शाहपुर और रामगढ़ताल थाने की पुलिस ने जांच कर सरगना अनिरुद्ध ओझा, फ्लाई इन होटल का मालिक अनुराग कुमार सिंह, मोहनापुर का आकाश यादव, बिछिया के रोहित छेत्री और विनय साहनी, आदित्य मौर्या और निखिल सिंह, बस्ती मुंडेरवा के उमरी अहरा निवासी राजन उर्फ वसीम अहमद, हरदोई के सूरज विश्वकर्मा, मुस्कान और श्रेय शुक्ला को गिरफ्तार कर जेल भिजवाया।

एशिया कप:

टी20 फॉर्मेट में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने वाला बल्लेबाज

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप-2025 की शुरुआत 9 सितंबर से होने जा रही है। इस बार यह टूर्नामेंट टी20 फॉर्मेट में खेला जाना है। यूं तो टी20 फॉर्मेट चौके और छक्कों की बरसात के लिए जाना जाता है, लेकिन हम उस खिलाड़ी के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसके नाम एशिया कप (टी20 फॉर्मेट) में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने का अनचाहा रिकॉर्ड है। यह खिलाड़ी बांग्लादेश के मशरफे मुर्तजा हैं, जो तीन बार शून्य पर अपना विकेट गंवा चुके। दिलचस्प बात यह है कि मुर्तजा तीनों बार एक ही संस्करण में बगैर खाता खोले पवेलियन लौटे हैं।

मशरफे मुर्तजा ने एशिया कप-2016 में पांच मुकाबले खेले थे, जिसमें 22.80 की औसत के साथ कुल पांच विकेट अपने नाम किए। भले ही गेंदबाजी में इस खिलाड़ी का प्रदर्शन संतोषजनक रहा, लेकिन बल्लेबाजी में यह क्रिकेटर कुछ खास नहीं कर सका। मशरफे मुर्तजा पांचों पारियों में बल्लेबाजी के लिए उतरे और 3.50 की औसत के साथ महज 14 रन ही बना सके। इस दौरान उनके बल्ले से सिर्फ दो ही चौके देखने को मिले। टी20 फॉर्मेट के एशिया कप में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने के मामले में चरिथ असलंका, आसिफ अली, किंचित शाह, कुसल मेंडिस, हार्दिक पांड्या और दासुन शनाका संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर मौजूद हैं। यह खिलाड़ी दो-दो बार बगैर खाता खोले पवेलियन लौटे हैं।

एशिया कप 2025 में भारतीय टीम 10 सितंबर से अपने अभियान की शुरुआत करेगी। टीम इंडिया का पहला मैच यूएई से होगा, जिसके बाद 14 सितंबर को भारत-पाकिस्तान के बीच हाईवोल्टेज मैच खेला जाना है। टीम इंडिया ग्रुप चरण का अपना तीसरा मैच 19 सितंबर को ओमान के खिलाफ खेलेगी। ग्रुप-ए में भारत के अलावा पाकिस्तान, ओमान और यूएई की टीमें हैं, जबकि ग्रुप-बी में बांग्लादेश, श्रीलंका, हांगकांग-चाइना और अफगानिस्तान की टीमें शामिल हैं।

सिनसिनाटी ओपन:

एक बार फिर आमने-सामने होंगे कार्लोस अल्कारेज और सिनर

सिनसिनाटी, एजेंसी। सिनसिनाटी ओपन का फाइनल सोमवार को खेला जाएगा। यह लगातार चौथा मौका होगा जब अल्कारेज और सिनर किसी टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में एक दूसरे का सामना करेंगे। सिनर ने हाल ही में विंबलडन के फाइनल में अल्कारेज को हराया था। स्पेन के कार्लोस अल्कारेज और दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी यानिक सिनर एक बार फिर आमने-सामने होंगे। अल्कारेज और सिनर ने अपने-अपने सेमीफाइनल मुकाबलों में जीत दर्ज की और अब ये दोनों शीर्ष खिलाड़ी सिनसिनाटी ओपन के खिताबी मुकाबले में एक दूसरे का सामना करेंगे। सिनर ने फ्रांस के टेरेंस एटमाने को 7-6, 6-2 से हराया। सिनर की हार्ड कोर्ट में यह लगातार 26वीं जीत है। दूसरी ओर, अल्कारेज में एलेक्सजेंडर ज्वेरेव को हराकर टूर स्तर के लगातार सातवें फाइनल में जगह बनाई।

जसप्रीत बुमराह एशिया कप में खेलेंगे या नहीं?

सेलेक्टर्स से कह दी अपने मन की बात

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप 2025 की शुरुआत में अब ज्यादा वक्त नहीं बचा है. इस बार एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट संयुक्त अरब अमीरात के दो शहरों दुबई और अबू धाबी में खेला जाएगा. टूर्नामेंट का पहला मुकाबला 9 सितंबर को होगा, जबकि खिताबी मुकाबला 28 सितंबर को निर्धारित है. एशिया कप से पहले भारतीय टीम को बड़ा बूस्ट मिला है. स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने खुद को इस टूर्नामेंट के लिए उपलब्ध बताया है.

रिपोर्ट के मुताबिक बुमराह ने अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति को सूचित किया है कि वो पूरी तरह से फिट हैं और टी20 फॉर्मेट में होने जा रहे इस टूर्नामेंट में खेलने के लिए उत्सुक हैं. एशिया कप के लिए भारतीय टीम की घोषणा 19 अगस्त को हो सकती है, इसके लिए मुंबई में चयनकर्ताओं की बैठक होगी. एक सूत्र ने इस अंग्रेजी अखबार से कहा, जसप्रीत बुमराह ने चयनकर्ताओं को सूचित किया है कि वो एशिया कप में खेलने के लिए उपलब्ध रहेंगे. चयन समिति अगले हफ्ते बैठक करके इस पर चर्चा करेगी.

गौतम गंभीर ने तैयार कर लिया भविष्य का रोडमैप; यहां समझें क्या है प्लान

तीनों फॉर्मेट में होगा एक कप्तान!

नई दिल्ली, एजेंसी। गौतम गंभीर अच्छे हेड कोच साबित हुए हैं या नहीं? व्हाइट बॉल मैचों की बात करें तो हां, गंभीर की रणनीतियां टीम इंडिया के पक्ष में रही हैं. वहीं टेस्ट फॉर्मेट में उनके अंडर भारतीय टीम का प्रदर्शन मिला जुला रहा है. इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज ड्रॉ करवाने के बाद गौतम गंभीर का चेहरा आत्मविश्वास से भरा हुआ नजर आया था. बताते चलें कि गंभीर 2027 ओडीआई वर्ल्ड कप तक भारतीय कोच बने रहेंगे और बतौर कोच पहले ही साल में उन्होंने कुछ कड़े फैसले लिए हैं. अगले 2 साल में आने वाले बड़े टूर्नामेंट्स की बात करें तो सबसे पहले एशिया कप 2025 की चुनौती होगी. उसके बाद फोकस 2026 टी20 वर्ल्ड कप पर शिफ्ट हो जाएगा, लेकिन इसी दौरान टीम इंडिया को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 की पॉइंट्स टेबल में अच्छी स्थिति बरकरार रखनी होगी. उसके बाद 2027 ओडीआई वर्ल्ड कप के लिए भी गंभीर को सख्त फैसले लेंगे होंगे, खासतौर पर अभी तक विराट कोहली और रोहित शर्मा पर कुछ साफ नहीं है. यहां जानिए बतौर कोच गौतम गंभीर भारतीय टीम के भविष्य के लिए कैसा रोडमैप तैयार कर रहे हैं?

तीनों फॉर्मेट में हो एक कप्तान

इसी साल गौतम गंभीर ने कहा था कि वो तीनों फॉर्मेट में एक कप्तान के साथ काम करना चाहते हैं, क्योंकि एक ही कप्तान के साथ काम करना आसान हो जाता है. साथ ही उन्होंने इसकी जटिलता को भी उजागर किया. गंभीर का कहना था कि टीम इंडिया साल में काफी ज्यादा क्रिकेट खेलती है, ऐसे में ऐसा कप्तान ढूंढ निकालना बहुत मुश्किल होगा, जो तीनों फॉर्मेट खेलता हो. इन दिनों चर्चा है कि भारतीय टीम को तीनों फॉर्मेट में एक ही कप्तान दिया जा सकता है. इसके लिए शुभमन गिल का नाम सामने आया है, जिन्होंने बतौर कप्तान इंग्लैंड में जाकर अपनी पहली टेस्ट ड्रॉ करवाई है. अनुभव के साथ गिल बतौर टेस्ट कप्तान और भी अधिक परिपक्व होते जाएंगे. हाल ही में यह खबर भी सामने आई कि रोहित शर्मा चाहे 2027 ओडीआई वर्ल्ड कप खेलें, लेकिन वो तब तक कप्तान बने रहेंगे या नहीं, इस पर कुछ कहा नहीं जा सकता. इससे उन संभावनाओं को जन्म मिला है कि ओडीआई कप्तानी भी जल्द शुभमन गिल के कंधों पर आ सकती है. मामला अटक जाता है टी20 कप्तानी पर, जो अभी सूर्यकुमार यादव के पास है. गौतम गंभीर के कोच बनने के बाद भारत हर एक टी20 सीरीज जीता है. चूंकि गंभीर खुद एक कप्तान के साथ काम करने की इच्छा जता चुके हैं, इसलिए बहुत हद तक संभव है कि अगले एक साल के अंदर वो टीम इंडिया का कायापलट कर सकते हैं.

नए खिलाड़ियों पर भरोसा

पिछले एक साल में यह भी साफ हुआ है कि गौतम गंभीर युवाओं पर भरोसा दिखा रहे हैं. टी20 टीम में अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, संजू सैमसन और अर्शदीप सिंह ने लगातार कमाल का प्रदर्शन किया है. वहीं टेस्ट टीम का भार उठाने के लिए शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल तो हैं ही, साथ ही आकाशदीप, साईं सुदर्शन और नितीश कुमार रेड्डी जैसे युवाओं को भी तैयार किया जा रहा है. वनडे फॉर्मेट में अभी रोहित शर्मा, विराट कोहली और रवींद्र जडेजा जैसे सीनियर मौजूद हैं, जिनपर ऑस्ट्रेलियाई टूर के बाद फैसला लिए जाने की अटकलें हैं.

सूर्यकुमार यादव ने फिटनेस टेस्ट पास किया-एशिया कप में भारत की कप्तानी करेंगे, 19 अगस्त को टीम सिलेक्शन में होंगे शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टी-20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है। अब वे 9 सितंबर से शुरू हो रहे एशिया कप में भारतीय टी-20 टीम की कप्तानी करेंगे। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, 34 साल के सूर्यकुमार 19 अगस्त को मुंबई में चयन समिति के अध्यक्ष अजित अगरकर के साथ मिलकर 15 सदस्यों वाली भारतीय टीम का सिलेक्शन करेंगे।

स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी के बाद वापसी

सूर्यकुमार यादव ने जून 2025 में जर्मनी के म्यूनिख में स्पोर्ट्स हर्निया (लोअर-राइट एब्डॉमेन) की सर्जरी करवाई थी। इसके बाद उन्होंने बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपना रिहैब प्रोग्राम पूरा किया और अब उन्हें पूरी तरह फिट घोषित कर दिया गया है। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 सीजन खत्म होने के बाद वे विशेषज्ञ से सलाह लेने के लिए यूनाइटेड किंगडम भी गए थे। उन्होंने सर्जरी के बाद सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा था- लाइफ अपडेट, निचले-दाएं पेट में स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी हुई। सर्जरी सुचारू रही और मैं रिकवरी की राह पर हूं। जल्द ही मैदान पर वापसी की उम्मीद है।

झारखंड की बेटियों ने चमकाया नाम, भारतीय अंडर-17 महिला फुटबॉल टीम में सात खिलाड़ियों का चयन

रांची, एजेंसी। भारतीय टीम के कोच अनवारूल हक ने कहा कि खिलाड़ियों का चयन उनकी मेहनत, लगन और अनुशासन का परिणाम है। हमें विश्वास है कि ये बेटियां भूटान में शानदार प्रदर्शन कर देश और झारखंड का नाम रोशन करेंगी।

भारतीय अंडर-17 महिला फुटबॉल टीम में झारखंड की सात प्रतिभाशाली बेटियों का चयन हुआ है। यह टीम 20 से 31 अगस्त तक भूटान में आयोजित होने वाली विश्व फुटबॉल चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करेगी।

गुमला की पांच, रांची और हजारीबाग की एक-एक खिलाड़ी का चयन

चयनित खिलाड़ियों में गुमला जिले से सूरज मुनि, एलिजाबेथ लाकड़ा, अनीता, विनीता और शिवानी शामिल हैं। इसके अलावा रांची (ओरमांझी) की दिव्यानी लिंडा और हजारीबाग की अनुष्का कुमारी को भी भारतीय टीम में जगह मिली है। इन सातों खिलाड़ियों के चयन से उनके परिवारों और जिले में खुशी की लहर दौड़ गई है।

'मेहनत और अनुशासन का नतीजा है चयन'

भारतीय टीम के कोच अनवारूल हक ने कहा कि झारखंड की ये सातों खिलाड़ी बेहद मेहनती और अनुशासित हैं। उनके अनुसार, खिलाड़ियों का चयन उनकी मेहनत, लगन और अनुशासन का परिणाम है। हमें विश्वास है कि ये बेटियां भूटान में शानदार प्रदर्शन कर देश और झारखंड का नाम रोशन करेंगी।

नेशंस कप के लिए भारत के 35 संभावित खिलाड़ियों में नाम नहीं

नया कोच आते ही सुनील छेत्री पर गिरी गाज

नई दिल्ली, एजेंसी। काफा नेशंस कप के लिए भारतीय टीम में सुनील तो हैं, लेकिन वह छेत्री नहीं हैं। भारतीय फुटबॉल टीम का मुख्य कोच बनने के बाद पहली टीम का चयन करते हुए खालिद जमील ने कुछ नए चेहरों पर दांव लगाया है। इनमें सेना के डिफेंडर सुनील बेंचमिन भी शामिल हैं, जिन्होंने डूरंड कप के दौरान ध्यान खींचा।

खालिद जमील की टीम से बड़ा नाम गायब है। यह बड़ा नाम सुनील छेत्री हैं, जो 2024 में संन्यास ले चुके थे। इस साल संन्यास से वापस लौटे। वह अब 29 अगस्त से ताजिकिस्तान के हिसोर में होने वाले मध्य एशियाई टूर्नामेंट के लिए भारत 35 खिलाड़ियों की संभावित सूची में भी शामिल नहीं हैं।

छेत्री को बाहर रखने का कारण नहीं आया सामने: इस बात का कोई स्पष्टीकरण नहीं आया है कि छेत्री को टीम में क्यों नहीं शामिल किया गया है। न तो खिलाड़ी की ओर से और न ही महासंघ की ओर से कुछ कहा गया है। महासंघ ने कहा कि 'चयन संबंधी सवाल मुख्य कोच से पूछे जाने चाहिए।' जमील ने भी कोई बयान नहीं दिया।

छेत्री के क्लब ने सैलरी रोकी: छेत्री को ऐसे समय पर नजरअंदाज किया गया है जब उनके क्लब बेंगलुरु एफसी ने हाल ही में इंडियन सुपर लीग को लेकर अनिश्चितता के कारण पहली टीम और कर्मचारियों के वेतन रोक दिए हैं। फुटबॉल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड (लीग का संचालन करने वाली संस्था) और अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के बीच समझौते के विस्तार को लेकर गतिरोध और सुप्रीम कोर्ट में लंबित एक मामले के कारण आईएसएल का भविष्य अधर में है।

बेंगलुरु के इन खिलाड़ियों को मिला मौका: जमील की टीम में बेंगलुरु के अन्य खिलाड़ी हैं, जिनमें गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू, डिफेंडर चिंगलेनसाना सिंह, राहुल भेके, रोशन सिंह नाओरेम और मिडफील्डर सुरेश सिंह शामिल हैं।

छेत्री मार्च में संन्यास से लौटे: 41 वर्षीय खिलाड़ी ने पिछले साल जून में कुवैत के खिलाफ मैच के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल संन्यास ले लिया था। हालांकि, मार्केज के अशांत कार्यकाल में भारत के गोल करने और मैच जीतने में संघर्ष करने के बाद छेत्री मार्च में मालदीव के खिलाफ मैच में संन्यास से लौटे।

आईएसएल के 11 क्लबों ने एआईएफएफ को पत्र लिखकर दी चेतावनी, गतिरोध का हल नहीं निकलने पर जताई चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी। एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे को लिखे एक पत्र में क्लबों ने कहा कि राष्ट्रीय महासंघ और आईएसएल के आयोजक एफएसडीएल के बीच मास्टर राइट्स एग्रीमेंट (एमआरए) का नवीनीकरण नहीं होने के कारण उत्पन्न हुए संकट ने भारत में पेशेवर फुटबॉल को पंगु बना दिया है।

इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के 11 क्लबों ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) को चेतावनी दी है कि अगर इस शीर्ष-स्तरीय घरेलू प्रतियोगिता के भविष्य को लेकर चल रहे गतिरोध का जल्द ही हल नहीं किया गया तो क्लबों के पूरी तरह से बंद होने का वास्तविक संकट बना रहेगा। आईएसएल का गतिरोध खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है जिस कारण चिंता बनी हुई है। एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे को लिखे एक पत्र में क्लबों ने कहा कि राष्ट्रीय महासंघ और आईएसएल के आयोजक एफएसडीएल के बीच मास्टर राइट्स एग्रीमेंट (एमआरए) का नवीनीकरण नहीं होने के कारण उत्पन्न हुए संकट ने भारत में पेशेवर फुटबॉल को पंगु बना दिया है।

क्लबों ने पत्र में कहा, पिछले 11 वर्षों में निरंतर निवेश और लगातार प्रयास के माध्यम से क्लबों ने युवा विकास प्रणालियां, प्रशिक्षण अवसंरचना, सामुदायिक पहुंच कार्यक्रम और पेशेवर टीमें बनाई हैं। इन टीमों ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की फुटबॉल साख को बढ़ाया है। यह प्रगति अब पतन

की ओर बढ़ने लगी है। मौजूदा परिस्थितियों ने तत्काल और गंभीर परिणाम उत्पन्न किए हैं। मौजूदा समय में संचालन निलंबित होने और लीग की निरंतरता पर कोई निश्चितता नहीं होने के कारण कई क्लबों को पूरी तरह से बंद होने की वास्तविक संभावना का सामना करना पड़ रहा है।

अनिश्चितकाल के लिए रुका है आईएसएल का सत्र

एफएसडीएल ने एमआरए पर हस्ताक्षर नहीं होने का हवाला देते हुए 2025-26 सत्र को 11 जुलाई को अनिश्चितकाल के लिए रोकने की घोषणा की थी जिसके बाद मौजूदा स्थिति उत्पन्न हुई है। इसके बाद कम से कम तीन क्लबों ने अपनी मुख्य टीम के संचालन को रोक दिया है या खिलाड़ियों और कर्मचारियों के वेतन को निलंबित कर दिया है। क्लबों ने लिखा, यह केवल प्रशासनिक गतिरोध नहीं है, बल्कि भारतीय फुटबॉल के लिए एक अस्तित्व का संकट है। हम आपको सबसे गंभीर परिस्थितियों में लिख रहे हैं। लीग की अनिश्चितता के कारण पिछले एक दशक से प्रशंसकों, प्रायोजकों, निवेशकों और अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल निकायों के साथ बड़ी मेहनत से बनाया गया विश्वास पर खतरा मंडरा रहा है। इससे लीग को अपूरणीय क्षति पहुंचेगी।

चोट से वापसी के बाद चमके लियोनल मेसी, इंटर मियामी की जीत में दिया योगदान; दागा एक गोल

फोर्ट लॉडरडेल, एजेंसी। मेसी चोटिल होने के कारण पिछले दो मैच में नहीं खेल पाए थे। लेकिन उन्होंने इस मैच से वापसी की। मेसी को दो अगस्त को नेकाक्सा के खिलाफ लीग कप मैच में हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई थी। अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनल मेसी ने चोट से वापसी पर चमक बिखेरी और इंटर मियामी की जीत में योगदान दिया। दर्शकों के भारी समर्थन के बीच मेसी ने भी अपने प्रदर्शन से फैंस को निराश नहीं किया।

स्टेडियम में लगातार मेसी... मेसी के नारे गूंजते रहे। मेसी ने मैच में एक गोल किया, जबकि एक गोल करने में मदद की जिससे इंटर मियामी ने मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) फुटबॉल टूर्नामेंट में एलए गैलेक्सी पर 3-1 से जीत दर्ज की। मेसी चोटिल होने के कारण पिछले दो मैच में नहीं खेल पाए थे। लेकिन उन्होंने इस मैच से वापसी की। मेसी को दो अगस्त को नेकाक्सा के खिलाफ लीग कप मैच में हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई थी।